दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 254
मुरादाबाद
(Monday)
05 January 2026
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

काशी में वॉलीबॉल महाकुंभःपीएम मोदी ने किया शुभारंभ, बोले- टीम फर्स्ट का संदेश देता है ये खेल;एक साथ रहें सभी

देश की धार्मिक राजधानी काशी में वॉलीबॉल महाकुंभ का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इससे पहले सीएम योगी ने खिलाड़ियों का अभिवादन किया। इस प्रतियोगिता में देश भर के 1022 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।वाराणसी के सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया।दोपहर 12 बजे आयोजन में जब पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअल रूप से जुड़े तो पूरा स्टेडियम हर-हर महादेव के नारे से गूंज उठा। वहीं, पीएम मोदी ने नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव के जयघोष के साथ स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों, उनके कोच और कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया।पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने वॉलीबॉल खिलाड़ियों से कहा कि एक कहावत है कि बनारस के जानल चाहत हउआ त बनारस आवे के पड़ी... अब आप सभी बनारस आ गए हैं तो यहां की संस्कृति को भी समझ जाएंगे। आप सभी को यहां उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक मिलेंगे। वॉलीबॉल हमें टीम फर्स्ट का संदेश देती है, सभी प्लेयर्स अपनी टीम के लिए खेलते हैं। यह खेल हमें सिखाता है कि कोई भी जीत हमारे अकेले की नहीं होती है। टीम की जीत से सभी जीतते हैं। हमारे देश में भी (इंडिया फर्स्ट) की भावना है। सुबह 11ः00 बजे तक सिगरा स्टेडियम में वॉलीबाल खिलाड़ियों के साथ भाजपा नेता और कार्यकर्ता जुट गए थे।

जुटे देशभर के खिलाड़ीइससे पहले, सीएम योगी के आगमन और वर्चुअल रूप से पीएम मोदी को देखने के लिए आतुर भाजपा कार्यकर्ता मोदी-योगी जल्दी आवा व हर हर महादेव के नारे लगा रहे थे। 11ः22 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब सिगरा स्टेडियम पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।काशी में पहली बार इस तरह के वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में देश भर से 58 टीमें भाग ले रही हैं। आयोजन के लिए स्टेडियम को रंग-बिरंगे फ्लैग, चैंपियनशिप के बैनर और होर्डिंग से सजाया गया है। 11:15 बजे तक स्टेडियम खिलाड़ियों से भर गया था। भाजपा कार्यकर्ता भी जुटेसीएम योगी ने मंच से पीएम मोदी का आभार कर अपना संबोधन शुरू किया। इससे पहले सीएम योगी का मंच पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और महापौर अशोक तिवारी ने अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इसके बाद वंदे मातरम... गीत गया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंच पर शहर उत्तरी विधायक रवींद्र जायसवाल, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, शहर दक्षिणी विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधायक टी. राम जिलाध्यक्ष व एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा समेत अन्य नेता मौजूद रहे। 11ः40 बजे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन पीएम मोदी की काशी में हो रहा है, जिसे पूरा देश देखेगा। आज काशी समेत पूरे देश में खिलाड़ियों की एक अलग पहचान है। कहा कि आज हमारे देश के खिलाड़ी जब एशियन गेम्स व कॉमन वेल्थ गेम्स में प्रतिभाग करने जाते हैं तो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे बात करते हैं, उनके वापस आने पर पीएम मोदी उनसे मुलाकात करते हैं। पहले की सरकार में अपने देश में जब कोई खेल आयोजन होता था तो उसपर भ्रष्टाचार का खेल भी खेला जाता था।

संक्षिप्त समाचार

टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं आएगी बांग्लादेश की टीम, आईसीसी से श्रीलंका में मैच कराने कहा

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने स्पष्ट कर दिया है कि वह टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगाबांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने फैसला किया है कि वह टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा। भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद उस वक्त से गरमा गया है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने कहा था। अब बांग्लादेश के एक समाचार वेबसाइट द डेली स्टार के अनुसार, बीसीबी ने टी20 विश्व कप के लिए भारत की यात्रा करने से इनकार कर दिया है।

‘यह लोकतंत्र नहीं, झुंडशाही है’: चुनाव से पहले ठाकरे बंधुओं की साझा हुंकार;धांधली के लगाए आरोप

बीएमसी चुनाव से पहले मुंबई की सियासत गरमा गई है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक मंच पर आए और सत्ता पक्ष पर लोकतंत्र कमजोर करने के गंभीर आरोप लगाए।मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर सत्ताधारी गठबंधन और चुनावी प्रक्रिया पर तीखा हमला बोला। इस दौरान दोनों नेताओं ने जल्द ही अपना संयुक्त चुनावी घोषणा पत्र जारी करने की घोषणा भी की।'यह लोकतंत्र नहीं, झुंडशाही है'

उद्धव ठाकरे ने कहा अब यह लोकतंत्र नहीं रहा, यह झुंडशाही बन चुका है। पहले वोट चोरी होती थी, अब उम्मीदवार ही चुरा लिए जा रहे हैं। अगर हम रंगे हाथों भी पकड़ लें, तब भी कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि वे खुद को पौराणिक उपलब्धियों से जोड़ते हैं, लेकिन वर्षों पहले समुद्र में पूजा करने के बावजूद छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा आज तक सामने नहीं आई। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग को खुली चुनौती देते हुए कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारियों के कॉल रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाएं,

ताकि सच सामने आ सके। राहुल नार्वेकर पर गंभीर आरोप- उद्धव ठाकरे ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का खुलेआम उम्मीदवारों और मतदाताओं को धमकाना बेहद चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि राहुल नार्वेकर को तुरंत निलंबित किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए। उद्धव ने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा के बाहर अधिकारियों को नेताओं की सुरक्षा हटाने का निर्देश नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि निर्विरोध उम्मीदवारों को जिताकर मतदाताओं से वोट का अधिकार छीना गया है और ऐसे सभी स्थानों पर उपचुनाव होने चाहिए। राज ठाकरे का भाजपा पर पलटवार-मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन अब महाराष्ट्र में वही पार्टी इस पर चुप क्यों है। राज ठाकरे ने चेतावनी देते हुए कहा कोई भी सत्ता स्थायी नहीं होती। जो सोचते हैं कि वे कभी सत्ता से बाहर नहीं होंगे, उन्हें फिर से सोचना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र को उत्तर प्रदेश और बिहार की राह पर ले जाया जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र ने हमेशा देश को दिशा दिखाई है। राज ठाकरे ने कहा कि राजनीति में आने वाले लोग अब विचारधाराएं बदलने लगे हैं, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

हालात चिंताजनक, बातचीत से हो समाधान, वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई को लेकर बोला भारत

वेनेजुएला में जारी राजनीतिक घटनाक्रम पर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने शांति, स्थिरता और संवाद के जरिए समाधान की अपील की है।वेनेजुएला में हालिया राजनीतिक और सुरक्षा घटनाक्रम को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा व भलाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सभी संबंधित पक्षों से अपील करता है कि वे मौजूदा मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से संवाद के माध्यम से करें, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि किसी भी तरह की हिंसा या टकराव से हालात और बिगड़ सकते हैंवेनेजुएला की स्थिति पर भारत की चिंता, शांति और संवाद की अपील-वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का विषय है। भारत सरकार वहां की बदलती स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। भारत ने वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई के प्रति अपना समर्थन दोहराया है और सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से संवाद के जरिए करें, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

कारागास स्थित भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के संपर्क में है और जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद करता रहेगा।वेनेजुएला को लेकर भारत की ट्रैवल एडवाइजरी-गौरतलब है कि भारत ने शनिवार रात अपने नागरिकों को वेनेजुएला की स्थिति को देखते हुए वहां गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी थी। मंत्रालय ने यह परामर्श वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका द्वारा पकड़े जाने से जुड़े घटनाक्रम के मद्देनजर जारी किया था। विदेश मंत्रालय ने वेनेजुएला में मौजूद सभी भारतीयों से भी अत्यधिक सावधानी बरतने और अपनी आवाजाही सीमित रखने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम को देखते हुए भारतीय नागरिकों को वहां सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सख्ती से सलाह दी जाती है। बयान में कहा गया, जो भारतीय किसी भी कारण से वेनेजुएला में हैं, उन्हें अत्यधिक सतर्क रहने, अपनी गतिविधियां सीमित रखने और कारागास स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है। चीन ने भी जताई आपत्ति मादुरो और उनकी पत्नी की तत्काल रिहाई की मांग- चीन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को जबरन हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने को लेकर अमेरिका पर गंभीर चिंता जताई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों का स्पष्ट उल्लंघन है। प्रवक्ता ने कहा कि 3 जनवरी को अमेरिकी बलों द्वारा मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर देश से बाहर ले जाने की खबरों पर कई देशों ने आपत्ति जताई है। चीन ने अमेरिका से मांग की कि वह राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी की व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करे, उन्हें तुरंत रिहा करे और वेनेजुएला की सरकार को गिराने की कोशिशें बंद करे। चीन ने यह भी कहा कि अमेरिका को सभी मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीतिक वार्ता के जरिए करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

56 इंच का सीना है तो पाकिस्तान जाओ और 26/11..., वेनेजुएला का जिक्र कर ओवैसी की पीएम मोदी को चुनौती

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के खिलाफ ट्रंप की कार्रवाई का हवाला देते हुए पीएम मोदी से सवाल किया और पूछा कि भारत 26/11 के आतंकी मास्टरमाइंड को पाकिस्तान से क्यों नहीं ला सकता।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को कथित तौर पर पकड़ने की कार्रवाई का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा सवाल उठाया। ओवैसी ने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी सेना भेजकर किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति को पकड़ सकते हैं, तो भारत सरकार 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड्स को पाकिस्तान से क्यों नहीं ला सकती। मुंबई में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा आज हमने देखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेनाओं ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर अमेरिका ले गए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेते हुए सवाल किया कि जब अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देश अपनी सैन्य ताकत का इस्तेमाल कर सकते हैं, तो भारत ऐसा कदम क्यों नहीं उठा सकता।'56 इंच का सीना है तो आतंकी मास्टरमाइंड्स को लाएं'

ओवैसी ने कहा %मोदीजी, अगर 56 इंच का सीना है, तो मसूद अजहर जैसे 26/11 के गुनहगारों को पाकिस्तान से उठाकर भारत क्यों नहीं लाते?% उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों का जिक्र करते हुए कहा कि देश आज भी उन आतंकियों के खिलाफ इंसाफ का इंतजार कर रहा है, जिन्होंने मुंबई में सैकड़ों बेगुनाहों की जान ली थी।गौरतलब है कि ओवैसी का बयान अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई हालिया सैन्य कार्रवाई के संदर्भ में आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि अमेरिकी विशेष बलों ने एक बड़े ऑपरेशन में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया और उन्हें अमेरिका ले जाया गया। ट्रंप के अनुसार, यह कार्रवाई अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर की गई और मादुरो पर ड्रग तस्करी और आपराधिक साजिशों के गंभीर आरोप हैं। अमेरिकी प्रशासन ने यह भी कहा कि मादुरो को अमेरिकी अदालत में पेश किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

The Light of Embossed Letters in the Deep Darkness

In short: Countless are the people whose lives never seem to end in darkness. That 12-year-old boy was in the same situation. He did everything by groping. Countless are the people whose lives never seem to end in darkness. That 12-year-old boy was in the same situation. He did everything by groping. His education was limited to groping and understanding, and writing was out of the question. He was little Louis Braille, studying at the Royal Institute for Blind Youth, a special school for blind children in Paris. His education was also minimal, as embossed books were scarce. Such children were given a special coin to help them survive. That boy was also taught to make spinning wheels and slippers. Life went on somehow, but he often remembered that he once had good eyesight. He must have been three years old, running around the house and playing. One day, while playing, one of his father's tools pierced his right eye. He hadn't yet had a good time healing. His right eye also developed an infection, and within a few days, he lost sight in both eyes. Everyone he met, helpless, would ask why it was so dark. It was in that darkness that he was transported from his village to the special school in Paris. Time passed somehow, until one day, a special presence arrived at the school. Former army captain Charles Barbier explained to the special students that soldiers use a special script or style to send or read messages in the dark. The boy, touched the symbols embodied in this script with great interest, and every fiber of his being was filled with joy. He decided to incorporate this special script into his education. So, after listening to a lesson in class or making slippers, whenever he got a chance, he would start working on this script for writing in the dark. He soon realized that this script could be simplified. Soldiers used a 12-dot flag for their code, but this teenager created a structure with only six dots. He designed a special slate symbol and a tool for making the dots, called a stylus. It took three years to create this complete script. Now it was time to prove his new work. New Year's celebrations were going on in Paris. The year was 1824. Dr. Alexander de Degnier, the headmaster of the Royal Institute, arrived in a very serious mood. He was told that Louis Braille, a student of your institute, would be demonstrating a script. 15-year-old Louis Braille said to the headmaster, "Sir, please read a page from the book and I will listen and write." The headmaster began speaking, and the Braille stylus and slate of paper began to make marks on the paper. The headmaster was reading slowly, when Louis himself said, "Sir, please read faster, I'm writing." The headmaster quickly read, and Braille engraved the entire page with marks. When the headmaster finished reading, Braille went back to the beginning of his writing, ran his fingers over the raised dots, and recited the entire text verbatim. Everyone present was stunned. Overjoyed, the headmaster declared that a revolution had begun in the world of those who cannot see. That very day, the school began teaching Braille's raised dot system. The stylus moved so quickly across the paper, as if he had a machine in his hand. At an exhibition in Paris, Braille was seen making 2,500 dots per minute. He was writing useful books one after another in Braille, so that the light of letters could reach the world like his. The people of his world could not only read but also write as per their wish. Gradually the whole world adopted Louis Braille's script. In a ceremony organized on the 100th anniversary of Braille's death, Helen Keller, the world famous writer and the most special example of the world of the visually impaired, had said, all of us visually impaired people are indebted to Louis Braille.

A consciousness that became the support of millions of rural women.

In summary: Many people in our country, especially politicians, are proud of the fact that they have improved the lives of countless Indians. In reality, they try to take credit for the work of the entire system... One such figure was Ela Bhatt, whose contributions set an example for women in India's unorganized sector. She empowered millions of women with self-reliance through the organization "SEWA." Ela Bhatt was born in Ahmedabad in 1933. She completed her law studies and began her career with the Textile Labor Association (TLA). She saw that the hard work of women selling goods on the streets or working as domestic help was undervalued and lacked legal protection. To address this problem, she founded the Self-Employed Women's Association (SEWA) in 1972. Ela believed that unless women had their own livelihoods, they would not be able to live with dignity in society. It was through her efforts that women in the unorganized sector gained worker status and access to banking and healthcare. She was honored with prestigious awards like the Padma Bhushan and the Magsaysay Award. Many people in our country, especially politicians, take great pride in having improved the lives of countless Indians. In reality, they constantly try to take credit for the work of the entire system, while an army of capitalists constantly trumpet their claims. When the work of grassroots leaders like Chetna Gala Sinha comes to light, it makes us realize how dwarfed our politicians are in comparison to these individuals! About 68 years ago, Chetna was born into a well-educated, financially secure family in Mumbai. Raised amidst metropolitan amenities, Chetna had the opportunity to study in the best educational institutions from an early age. In the early 1980s, while a commerce graduate student at Bombay University, she met the renowned Gandhian leader Jayaprakash Narayan (JP). That meeting transformed Chetna's entire consciousness. In those days, JP was visiting colleges and universities across the country, urging young people to go and work in the villages. If Chetna had wanted, she could have found a good job in Mumbai, but the philosophy of Gandhi and JP had such a magical effect that she traveled to the villages of Maharashtra and actively participated in land rights movements, agricultural movements, and women's empowerment campaigns. In this process, Chetna visited the drought-affected village of Maswad. She was deeply impressed by the young farmer leader Vijay Sinha. Vijay was not very educated, but was a brilliant orator. Eventually, she decided to get married, and in 1987, she moved to her in-laws' home in Maswad. One day, a woman from the village named Kantabai came to visit Chetna and said she wanted to open a savings account. Kantabai said, "I want to save money so that by the time the monsoons arrive, I can save enough to buy plastic sheets." She wanted to protect her family from the ravages of the rains. This inspired Chetna to found the "Mandesh Bank" for rural women, which today supports millions of women. Chetna took Kantabai to the bank, but the bank manager flatly refused to open an account, citing the small amount. This deeply hurt Chetna. Kantabai hadn't gone to the bank to ask for a loan; she simply wanted her hard-earned money to be safe. Chetna thought that if the bank wasn't doing this, why not start a cooperative bank to give women like Kantabai the opportunity to save? In 1996, she applied for a license. The Reserve Bank rejected Chetna's application, stating that the RBI couldn't grant permission to a bank whose promoters were illiterate. Chetna returned to the village, almost in tears, and told Kantabai and the other women that she couldn't obtain a license because they weren't educated. The women said, "Don't cry, we'll learn to read and write and apply for a license again." Within six months, Chetna's hard work paid off; the women of Maswad learned to read, write, and sign. In 1997, Chetna, along with 15 other women, approached the RBI. The RBI, appreciating the spirit of Chetna and the women of her village, issued a license, thus creating the country's first women's rural bank (Man Deshi Mahila Bank). This was women's own bank. Chetna, concerned about their interests, accomplished another remarkable feat. Since poor women couldn't visit the bank because it would have meant losing their wages or work, the bank reached their homes. This bank, run by women for women, not only helped Kantabai build a permanent house but also brightened the lives of millions of women in Maharashtra. This bank provides loans to girls to buy bicycles, to women to buy sewing machines and other equipment, or to start a business. Over the years, the Maan Deshi Mahila Bank has grown. Today, more than one million women are account holders, and the bank has a market value of ?200 crore. Chetna's silent revolution has been recognized worldwide. She has been honored with numerous awards. In 2018, she became the first Indian woman to co-chair the World Economic Forum. Gandhi taught the value of helping others without pride, JP adopted it, and Chetna Sinha carried it forward. Who wouldn't be jealous of such a life?

The question of social security: Gig workers' demands should be considered.

The article highlights the harsh working conditions, lack of social security, and low wages of gig workers, even as the quick commerce sector is growing. It emphasizes the need for sympathetic consideration of their demands and proper implementation of the government's social security proposals. The number of gig workers is expected to grow, so companies and the government should take measures to prevent their exploitation and ensure adequate income. It's true that gig workers, temporary workers, deliver food and other goods, have drawn national attention, but this only happened when these people, working under adverse conditions, went on strike. Gig workers' demands should be considered sympathetically, as their working conditions are extremely harsh. As quick commerce and food delivery companies are growing, better working conditions must be ensured for them. It is heartening that the central government has proposed social security for gig workers, but this proposal will only be implemented effectively. Gig workers face a problem: they are not considered employees of the companies they work for. Their working hours are not fixed. They are paid only for the time they work. They can be fired at any time. Because their status is comparable to that of workers in the unorganized sector, their working conditions remain largely unnoticed. If something untoward happens to them, the company involved is not held accountable. It should be understood that gig worker-based industries are demanding better regulation. Gig workers' problems have been exacerbated by the growing trend of delivering goods within ten minutes. This trend should be reconsidered, as it increases the risk of accidents involving gig workers. Gig workers are often seen violating traffic rules in their quest to deliver goods quickly. Undoubtedly, the number of gig workers is increasing, but their wages are not attractive. According to NITI Aayog, the number of gig workers, which was around 7.7 million in 2020-21, will reach 23.5 million by 2029-30. In such a situation, the government, along with the companies they work for, must take care of them. They should not only be brought under the ambit of social security, but also measures should be taken to prevent their exploitation and enable them to earn a sufficient income for their livelihood. Now that it is clear that the number of gig workers will only increase in the future, attention should also be paid to the use of battery-operated two-wheelers for delivery of goods. It is also the need of the hour to consider the interests of all other workers in the unorganized sector along with gig workers. It is unfair that millions of temporary workers are excluded from the ambit of social security.

कत्ल कर पी शराब... रात में एक बार चाय भी पी; मां पर शक करता था हैवान बेटा; हादसा दर्शाने की रची ये साजिश

मुरादाबद में बेटे ने मां की हत्या करने के बाद शराब पी। इसके बाद हादसा दर्शाने की साजिश रची। बहन और पत्नी को फोन करके बताया कि मां जीने से गिर गई है। आरोपी रात में कभी घर में टहलने लगता तो कभी लाश के पास बैठ जाता।मुरादाबाद के पाकबड़ा के उमरी सब्जीपुर गांव में अपने हाथों से मां का गला घोंटने के बाद बेटे कपिल ने शराब पीकर इसे हादसा दर्शाने की कोशिश की। उसने पहले अपनी बहन तो बाद में पत्नी को कॉल कर बताया कि मां जीने से गिर गई है उसकी मौत हो गई है। बहन और पत्नी घर पहुंचीं तो सावित्री देवी के गले पर चोटों के निशान मिलने पर कपिल पर शक गहरा गया। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपी की साजिश का पर्दाफाश हो गया। पुलिस की जांच पड़ताल और आरोपी से पूछताछ में सामने आया है कि शुक्रवार की दोपहर करीब 12 बजे कपिल शराब पीकर घर लौटा था।उसने अपनी मां से जमीन बेचने के लिए दबाव बनाया लेकिन मां से जमीन बेचने से मना कर दिया था। इसके बाद कपिल नाराज होकर घर से चला गया और दोबारा शराब पीकर ढाई बजे घर आया। आरोपी ने फिर से मां सावित्री पर फिर से दबाव बनाया है कि वह जमीन बेच दे। इसके बाद मां बेटे में कहासुनी हो गई तो उसने अपनी मां का गला घोंट दिया। जिससे सावित्री की मौके पर ही मौजूद हो गई। उसने आस पड़ोस में किसी को इसकी जानकारी नहीं दी। इसके बाद आरोपी ने आंगन में जीने के पास ही शव को रख दिया और प्रयागराज में रहने वाली अपनी बहन रोशनी को कॉल की। उसने उसे बताया कि जीने से मां गिर गई है। जिसमें वह घायल हो गई थी। वह उसे अस्पताल ले गया था लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। रोशनी ने अपनी भाभी और भतीजे भतीजी से बात करने की कोशिश की तो कपिल टाल मटोलकरने लगा। रोशनी ने अपनी भाभी के नाम पर कॉल की।

तब पता चला कि कपिल की पत्नी ललिता तो अपने मायके में मौजूद है।ललिता कपिल को कॉल लगा ही रही थी कि इस दौरान कपिल ने कॉल कर दी और उसे भी हादसा ही बताया। शनिवार को ललिता, ललिता का भाई, रोशनी और अन्य रिश्तेदार आए और उन्होंने देखा कि सावित्री के गले पर चोट के निशान हैं। उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस बुला ली। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। मां पर शक भी करता था आरोपी, इस बात को लेकर भी मां बेटे में हुआ था विवाद- आरोपी ने पूछताछ में यह बात भी बताई है कि उसे शक था कि पिता की मृत्यु के बाद वह मां किसी से बात करती थी। जब भी वह

बात करती थी तो वह जमीन बेचने से इन्कार कर देती थी। उसने अपनी मां से इस बात को लेकर झगड़ा

कि था कि वह इस लिए जमीन नहीं बेचना चाहती कि वह जमीन किसी और को देना चाहती है। दो बीघा जमीन बेचकर खरीदी थी सात बीघा जमीन- कपिल के पिता ऋषिपाल के नाम दो बीघा जमीन थी। करीब दस साल पहले उमरी सब्जीपुर स्थित दो बीघा जमीन अधिक दाम मिल रहे थे तब ऋषिपाल ने इस जमीन को बेचकर मूंढापांडे क्षेत्र में सात बीघा जमीन खरीद ली थी। ऋषिपाल की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी सावित्री के नाम पर जमीन आ गई थी।एक दिन पहले ही शराब में उड़ा दिए थे पांच सौ रुपये - पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी कपिल ने पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी बेटे और बेटियों को लेकर मायके गई तो उसने अपनी मां से पांच सौ रुपये लिए थे। बृहस्पतिवार को उसने पांच सौ रुपये शराब में ही उड़ा दिए थे। शुक्रवार को फिर से उसने अपनी अपनी मां से पांच सौ रुपये मांगे थे लेकिन मां से रुपये देने से इन्कार कर दिया था।

इसके बाद वह जमीन बेचने के लिए दबाव बनाने लगा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ था।हत्यारोपी बेटे ने रात में एक बार चाय भी पी- हत्यारोपी कपिल ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने रात में एक बार चाय भी बनाकर पी थी। आरोपी की गतिविधियां होती रही लेकिन ग्रामीणों को सावित्री दिखाई नहीं दी। 16 घंटे तक ग्रामीण भी इस हत्याकांड से अंजान रहे। उन्हें शनिवार की सुबह ही पता चला कि सावित्री की हत्या कर दी गई है।धोखा, लालच, शक में अपनों का खून बहा रहे लोग- मुरादबाद में धोखा, लालच और शक में लोग अपनों का खून बहाने में भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। जिले में एक बाद एक हत्या की कई घटनाएं सामन ने चुकी हैं जिनमें जान गंवाने वाले लोगों के अपने ही शामिल थे कहीं पिता ने बीमा की रकम हड़पने के लिए सुपारी देकर बेटे की हत्या कर दी तो कहीं युवक ने ऑटो खरीदने के लिए रुपये नहीं देने पर अपनी बूढ़ी दादी और बुआ को मौत घाट उतार दिया।संभल के बहजोई निवासी बाबूराम शर्मा ने सुपारी देकर अपने बेटे अनिकेत की हत्या करा दी थी। पुलिस ने दावा किया है कि बाबूराम ने 2.10 करोड़ रुपये के बीमा की रकम हड़पने के लिए हत्या कराई थी। इस हत्याकांड को 16 नवंबर को अंजाम दिया गया था और कुंदरकी थानाक्षेत्र में लाश फेंक दी गई थी। पिता इस हत्याकांड को बताता रहा और प्राथमिकी भी दर्ज कराने से इन्कार कर दिया था।इससे पहले सिविल लाइन क्षेत्र के आजाद नगर रेलवे कॉलोनी निवासी साहिल शर्मा (32) ने 27 मार्च 2025 को अपनी दादी सरोज शर्मा (90) और बुआ वंदना शर्मा (60) की हथौड़े से वार कर जान ले ली थी। हत्या करने के बाद आरोपी रातभर घर में ही मौजूद रहा था। सुबह उसने रिश्तेदारों को कॉल कर इस घटना की जानकारी दी थी। घर में साहिल के अलावा उसकी दादी और बुआ ही रहती थी।आरोपी ने ऑटो खरीदने के लिए अपनी बुआ और दादी पर दबाव बनाया था लेकिन दोनों ने उसे रुपये देने से इन्कार कर दिया था। इसी बात से गुस्साए साहिल ने दोनों की जान दे दी थी। मझोला क्षेत्र में करीब डेढ़ साल पहले पल्लेदार कौशल की हत्या में उसकी पत्नी पिंकी अपने प्रेमी सूरज और अजय उर्फ प्रमोद से करा दी थी।कौशल को शक हो गया था कि पिंकी और सूरज के बीच संबंध है। उसने विरोध करना शुरू किया तो पत्नी ने प्रेमी से हत्या करा दी थी। इसके अलावा भी कई घटनाएं सामने आई हैं जिसमें कराने और साजिश रचाने में अपने ही शामिल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीआरएम को हटाए जाने के बाद जांच तेज, चेयरमैन ने पूछा...बताओ एक ट्रैक पर कैसे आ गईं थीं दो ट्रेनें

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुरादाबाद रेल मंडल के अधिकारियों से खुर्जा में एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनों के आ जाने को लेकर जवाब-तलब किया। खुर्जा मामले में जांच में तीन विभागों की लापरवाही के संकेत मिले हैं। बोर्ड ने जल्द जांच पूरी कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए।रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुरादाबाद रेल मंडल के अफसरों से सवाल-जवाब किए। उन्होंने पूछा कि खुर्जा में 29 दिसंबर को एक ट्रैक पर दो ट्रेनें कैसे आ गईं थीं। इस दौरान डीआरएम राजकुमार सिंह ने अपने निरीक्षण के दौरान जुटाई जानकारी उनके सामने रखी।माना जा रहा है कि खुर्जा में यह बड़ी घटना किसी एक विभाग के सुपरवाइजर की लापरवाही से नहीं हुई। इसमें तीन विभागों के कर्मचारियों की गलती सामने आ रही है। हालांकि जांच पूरी हुए बिना किसी को पूर्ण रूप से दोषी नहीं ठहराया गया है। ऑपरेटिंग विभाग के स्तर से लापरवाही अधिक हुई है क्योंकि एक ट्रेन के निकले बिना ही दूसरी को क्लियर सिग्नल दे दिया गया। स्टेशन मास्टर के निर्देश पर कर्मचारियों ने ट्रैक से दूसरी ट्रेन के गुजरने के लिए रास्ता बनाया था। गनीमत रही कि 150 मीटर की दूरी पर दोनों ट्रेनें रुक गईं। रेलवे बोर्ड से निर्देश मिले हैं कि जल्द से जल्द मामले की जांच पूरी कर मुख्यालय भेजी जाए। वहीं मुरादाबाद मंडल के रोजा में हुई घटना पर भी बात की गई। 10 दिन पहले रोजा में रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय गरीबरथ एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई थी। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों को जानकारी दी गई कि वहां दुर्घटना स्थल पर रेलवे का आधिकारिक फाटक नहीं है। दुर्घटना के बाद उस स्थान को चाहरदीवारी कर बंद करा दिया गया है, जिससे कोई और हादसा न हो।

इनके अलावा संरक्षा से जुड़े कई और बिंदुओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मानवीय भूल हादसे का कारण न बने। एक ट्रेन में 1000 परिवारों की खुशियां सफर करती हैं, इसलिए बेहद सावधानी व सतर्कतापूर्वक संचालन की जरूरत है।

डीआरएम के हटाए जाने पर अधिकारी रहे खामोश

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन द्वारा खुर्जा मामले का कारण पूछने के बाद माना जा रहा है कि इंजीनियरिंग के अधिकारी संग्रह मौर्य को इसी घटना के कारण डीआरएम पद से हटाया गया है। हालांकि दूसरे दिन भी कोई अधिकारी इस पर खुलकर नहीं बोला। मंडलीय अधिकारियों ने यही कहा कि रेलवे बोर्ड और मंत्रालय स्तर का निर्णय है। इस मामले में कुछ नहीं कहा जा सकता। विभागीय सूत्रों का कहना है कि खुर्जा मामले की जांच करने के लिए टीम गठित हो गई है। जल्द रिपोर्ट तैयार कर रेल मुख्यालय को भेजनी होगी। सीनियर डीसीएम का कहना है कि सीआरबी की वीसी संरक्षा मामलों पर हर माह होती है। संरक्षा को लेकर सभी विभागों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। खुर्जा मामले में अभी जांच बाकी है। इससे पहले कुछ नहीं कहा जा सकता।

16वीं बार प्रदेश में रामपुर यूपी 112 अव्वल...इन बिंदुओं पर हर बार खरा उतरी टीम

जनपद रामपुर यूपी-112 परफॉरमेंस डैशबोर्ड पोर्टल के रैंकिंग सिस्टम में माह दिसंबर 2025 में प्रदेश में लगातार 16वीं बार प्रथम रहा है। इसके लिए पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने यूपी-112 टीम को बधाई दी है।माह दिसंबर 2025 में परियोजना यूपी-112 जनपद रामपुर परफॉरमेंस डैशबोर्ड पोर्टल के रैंकिंग सिस्टम में उत्तर प्रदेश में 93.50 अंक प्राप्त किए हैं। प्रदेश में रामपुर ने एक बार फिर प्रथम स्थान हासिल किया है। परियोजना यूपी-112 में परफॉरमेंस डैशबोर्ड पोर्टल के रैंकिंग सिस्टम में जनपद रामपुर लगातार माह सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर 2024 और माह-जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर 2025 में लगातार उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है।इस रैंकिंग सिस्टम में मुख्य तौर पर सभी पीआरवी का औसत रिस्पांस टाइम, एक्नॉलेजमेंट, इन रूट, अराइव टाइम, पीआरवी उपलब्धता, कॉलर फीडबैक, आरओआईपी एक्टिविटी, इवेंट क्लोजर सिस्टम, अरली अराईव व विजिलेंस जांच रिपोर्ट के अंकों के आधार पर जनपद की रैंकिंग तय की जाती है। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के पर्यवेक्षण में रामपुर पुलिस ने यह उपलब्धि हासिल की है।

तेजी से घट रहा दिन और रात के तापमान का अंतर, मुरादाबाद में छाया घना कोहरा...

मुरादाबाद में घने कोहरे के कारण दिन और रात के तापमान का अंतर घटकर चार से पांच डिग्री रह गया है। इससे पूरे दिन ठंड का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार छह जनवरी तक घना

कोहरा छाए रहने की संभावना है मुरादाबाद में इस बार सर्दी का असर सिर्फ तापमान तक सीमित नहीं है, बल्कि मौसम का पूरा गणित गड़बड़ा गया है। घने कोहरे के कारण दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर तेजी से घटता जा रहा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री रहा। यानी पूरे 24 घंटे में तापमान महज चार से पांच डिग्री ही ऊपर-नीचे हुआ। यह स्थिति सामान्य सर्दी से अलग मानी जा रही है। आमतौर पर सर्दियों में दिन में धूप से कुछ राहत मिलती है और रातें ज्यादा ठंडी होती हैं, लेकिन इस बार धूप कमजोर पड़ चुकी है और ठंड का असर पूरे दिन बराबर बना हुआ है।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि कोहरे की मोटी परत धूप को धरती तक पहुंचने नहीं दे रही है। वहीं अधिक नमी और हवा की धीमी रफ्तार रात के समय धरती की गर्मी को बाहर निकलने से रोक रही है। इसी दोहरे प्रभाव के चलते दिन ठंडे और रातें अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई हैं।मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार की सुबह मुरादाबाद में सापेक्षिक आर्द्रता 81 प्रतिशत और शाम को 71 प्रतिशत दर्ज की गई। बारिश नहीं होने के बावजूद वातावरण में नमी बनी रही। यही कारण है कि अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है और अगले कुछ दिनों तक इसमें खास बढ़ोतरी के संकेत नहीं हैं।मौसम वैज्ञानिक डॉ. आशीष सिंह के मुताबिक छह जनवरी तक जिले में घना से बेहद घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 14 से 16 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा।7 जनवरी के बाद सुबह के समय कोहरा या धुंध रहने और दिन में हल्की धूप निकलने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक तेज हवाएं या कोई प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होता, तब तक मुरादाबाद में सर्दी का यह असंतुलित रूप बना रहेगा।

प्रदेशाध्यक्ष पंकज चौधरी बोले, 2027 में भारी बहुमत से फिर बनेगी भाजपा सरकार

मुरादाबाद। कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों ने शनिवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का कुंदरकी विधानसभा में प्रथम आगमन पर रामपुर रोड पराग फैक्ट्री के पास भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए कुंदरकी विधानसभा के अलग अलग गांवों से पार्टी कार्यकर्ता और विधायक के समर्थक पहुंचे थे।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी रामपुर से दिल्ली जा रहे थे। उनका पराग फैक्ट्री के पास में रुकने पर कुंदरकी विधायक ने अपने समर्थकों के साथ स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने स्वागत से अभिभूत होकर कहा कि कड़ाके की ठंड में हजारों कार्यकर्ताओं का अपार जनसमूह देख कर मैं कह सकता हूं कि 2027 में भारी बहुमत से पुन: भाजपा को प्रदेश में विजय मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ता का हित सर्वोपरि है। कुंदरकी विधायक ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कुंदरकी विधानसभा को प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत का अवसर प्राप्त हुआ है। इस दौरान परमेश्वर लाल सैनी, पूर्व सांसद वीर सिंह, ब्लॉक प्रमुख मूंढापांडे डॉ. नवदीप यादव, गुलाम जिलानी, मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप, बबलू जाटव, नीरज चंद्रा, महेंद्र सैनी, चिराग अली, रोहित सिंह, जय सिंह, नूरी मौलाना, ज्ञानस्वरूप भटनागर, दिनेश ठाकुर, रंजीत सिंह, सोनू रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

आरएसएस, बजरंग दल व विहिप को आंतकवादी संगठन बताना पड़ा महंगा, युवक गिरफ्तार

विहिप के जिला मंत्री की तहरीर पर पुलिस ने आसपा के नगराध्यक्ष शराफत अली के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने एवं बम से उड़ाकर हत्या करने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया।विहिप के जिलाध्यक्ष सचिन विश्नोई के लेटरहेड पर लिखी तहरीर में थाना मूंढापांडे के गांव वुजपुर मान निवासी जिला मंत्री किशनपाल ने बताया कि आजाद समाज पार्टी भोजपुर के नगराध्यक्ष शराफत अली के सोशल मीडिया पर वायरल पर वायरल हो रहे वीडियो में वह आरएसएस, विहिप और बजरंग दल को आतंकवादी और हिन्दुओं को आतंकी बोल रहा है। जिसके कारण समस्त हिन्दू समाज में रोष व्याप्त है। इस संबंध में शुक्रवार को फोन करने पर आरोपी ने बम से उड़ाने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद चालान कर दिया। अदालत ने आरोपी को जेल भेज दिया।

नानी के घर रह रही किशोरी से नाबालिग ने किया दुष्कर्म

बिलासपुर में नानी के घर रह रही एक किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना बिलासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। शनिवार दोपहर गांव निवासी एक महिला बिलासपुर कोतवाली पहुंची और पुलिस को तहरीर दी। महिला ने बताया कि उसकी तेरह वर्षीय नवासी पिछले दो साल से उसके साथ घर पर रह रही है। पिछले साल 27 दिसंबर को जब वह मजदूरी के लिए बाहर गई थी, तब वो घर पर अकेली थी। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला 14 वर्षीय किशोर घर में घुस आया और उसने जबरन नवासी साथ दुष्कर्म किया। महिला ने बताया कि शाम को जब वह घर लौटी, तो नवासी ने रोते हुए उसे पूरी घटना के बारे में बताया। इसके बाद महिला किशोर के घर पहुंची, जहां उसके परिजनों ने माफी मांगते हुए किशोर को कहीं और भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने बताया कि पीड़िता और आरोपी दोनों नाबालिग हैं। मामले की विवेचना की जा रही है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मुफ्ती टोला बाग बाली मस्जिद में दस्तार बंदी का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा/ मुरादाबाद आम बाग वाली मस्जिद मुफ्ती टोला जलसे का आयोजन किया गया जिसमें जिन बच्चो ने कुरान ए पाक हिफज़ मुकम्मल किया उनकी दस्तरबंदी हुई हाफ़िज़ फ़वाइज़ हुसैन बिन नदीम हुसैन साहब हाफ़िज़ रय्यान रज़ा बिन फ़कीर रज़ा एसबी हाफ़िज़ मोहम्मद कफील बिन हाजी अनीस अहमद हाफ़िज़ मोहम्मद फ़ैज़ान बिन मोहम्मद फ़ारूक एसबी जिन बच्चो ने नज़र मुकम्मल किया है मोहम्मद हारिस बिन मोहम्मद दाऊद साहब मोहम्मद फ़ैज़ बिन मोहम्मद मारूफ़ एसबी मोहम्मद फजल बिन मोहम्मद मैराज एसबी मोहम्मद इज़ान बिन मोहम्मद अफ़ज़ल एसबी मोहम्मद अरशान बिन मोहम्मद रेहान एसबी वालिया बिनते अबू अमीर एसबी जलसे मे आने वाले मेहमानन मेहमाने खुसूसी हजरत मौलाना मुफ्ती अब्दुर रहमान एसबी उस्ताज मदरसा शाही मुरादाबाद.हजरत मौलाना कारी हम्माद एसबी उस्ताज मदरसा शाही वा सरपरस्त मदरसा बागे जन्नत.हजरत मोलाना कारी अखलाक हुसैन स.उस्ताज मदरसा शाही मुरादाबाद. हजरत मौलाना कारी आज़म एसबी. उस्ताज मदरसा शाही मुरादाबाद हज़रत मोलाना कारी मुकर्रम एसबी उस्ताज़ जमील हुदा मुरादाबाद कारी मोइनुद्दीन साहबजलसा ज़ेरे इंतेज़ामी व उस्ताज़ मदरसा बागे जन्नत।कारी अब्दुल कादिर एसबी उस्ताज मदरसा बागे जन्नत. इसके अलावा दीगर हजरत भी तशरीफ लाए

भूमि पूजन के साथ हुई शुरू उत्तरायणी मेले की तैयारियां

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। रविवार को बरेली क्लब मेला ग्राउंड में विधिवत भूमि पूजन किया गया। आचार्य रमेश जोशी के साथ समिति के पदाधिकारियों ने भूमि पूजन किया।

इस अनुष्ठान के साथ ही 30वें उत्तरायणी मेले की तैयारियों का औपचारिक आरंभ हो गया है। मेला समिति के अध्यक्ष अमित पंत, महामंत्री मनोज पाण्डेय और कोषाध्यक्ष कमलेश बिष्ट के नेतृत्व में आयोजित इस पूजन में मेले के निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की गई। मीडिया प्रभारी रमेश शर्मा ने बताया कि इस वर्ष मेले को दिव्य और भव्य रूप देने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। मेला प्रभारी चंदन नेगी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। भूमि पूजन के अवसर पर सुमन देव कुकरेती, पीसी पाठक, गिरीश चंद्र पांडेय, डॉ. अनिल बिष्ट, सुरेश भदोला, पीएस दत्ताल, पुष्कर राणा, महेश पांडेय, एनडी पांडेय, पुष्पा पांडेय, उमा बिष्ट, मीना जोशी, किरण पांडेय, कमला पांडेय, घनश्याम ग्वाल, कुंवर सिंह बिष्ट, जीत सिंह बोहरा, गगन फर्त्याल, दीवानी चंद, पूरन दानू, पीएस जीना और मोहन जोशी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

निवर्तमान मनोज हरित, पूर्व अध्यक्ष अनिल द्विवेदी और ज्वाला प्रसाद में होगा त्रिकोणीय मुकाबला

निवर्तमान अध्यक्ष मनोज हरित के पक्ष में बार वकीलों ने दिखाई एकजुटता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बरेली बार एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर इस बार माहौल बेहद दिलचस्प और रोमांचक बन गया है। निवर्तमान अध्यक्ष मनोज हरित युवा अधिवक्ताओं के बीच खासे लोकप्रिय हैं तो वहीं वरिष्ठ अधिवक्ताओं के बीच भी अपनी एक साफ़सुथरी छवि लेकर एक खास पहचान बनाये हुए हैं। जहां निवर्तमान अध्यक्ष मनोज हरित सोच, पारदर्शिता और बदलाव के एजेंडे के साथ एक बार फिर मैदान में उतरे हैं, तो वहीं अनिल द्विवेदी और ज्वाला प्रसाद गंगवार भी अपनी किस्मत आजमाने के लिए चुनावी मैदान में उतरे हुए हैं। मनोज हरित का कहना है कि उनके कार्यकाल में बार एसोसिएशन को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप ढालने का प्रयास किया गया और आगे भी अधिवक्ताओं की सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। युवा अधिवक्ताओं का एक बड़ा तबका उन्हें ऊर्जावान नेतृत्व के प्रतीक के रूप में देख रहा है। उनका मुख्य उद्देश्य अपने सभी युवा साथी अधिवक्ताओं को बैठने का स्थान उपलब्ध कराना होगा। अध्यक्ष पद की रेस में पूर्व अध्यक्ष अनिल द्विवेदी और निवर्तमान अध्यक्ष मनोज हरित आमने-सामने हैं, वहीं ज्वाला प्रसाद गंगवार भी अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं। एक ओर दोनों दिग्गज प्रत्याशियों की सीधी टक्कर ने पूरे बार परिसर में चुनावी सरगर्मियों को तेज कर दिया है। वहीं ज्वाला प्रसाद गंगवार की चुनावी मौजूदगी को अधिवक्ता नकार चुके हैं। अधिवक्ताओं के बीच यह चुनाव चर्चा का मुख्य विषय बना हुआ है और हर कोई परिणाम को लेकर उत्सुक नजर आ रहा है। हालांकि मनोज कुमार हरित के एक बार पुनः अध्यक्ष पद पर आसीन होने के आसार नजर आ रहे हैं। बार परिसर में इन दिनों हर ओर चुनावी माहौल साफ नजर आ रहा है। छोटी-छोटी बैठकों, समूह चर्चाओं और व्यक्तिगत जनसंपर्क का दौर लगातार जारी है। प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ अधिवक्ताओं से संवाद कर रहे हैं और समर्थन जुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। चुनावी चर्चा केवल बार परिसर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शहर के विभिन्न स्थानों पर भी अधिवक्ताओं के बीच इस मुकाबले को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। प्रत्याशियों ने अपने चुनावी एजेंडे में बार के समग्र विकास को प्राथमिकता दी है। अधिवक्ताओं के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था, पुस्तकालय का आधुनिकीकरण, डिजिटल सुविधाओं का विस्तार, पार्किंग और चैंबर जैसी बुनियादी समस्याओं के समाधान को प्रमुख मुद्दों के रूप में रखा गया है। इसके साथ ही न्यायालय प्रशासन से बेहतर समन्वय और अधिवक्ताओं के सम्मान व सुरक्षा से जुड़े विषय भी दोनों के एजेंडे में शामिल हैं। इस बार का चुनाव इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि मुकाबला बेहद कांटे का है। दोनों प्रत्याशियों की मजबूत पकड़ और समर्थकों की संख्या को देखते हुए अंतिम परिणाम किसके पक्ष में जाएगा, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। साफ है कि बरेली बार एसोसिएशन का यह चुनाव न केवल रोचक होगा, बल्कि आने वाले समय में बार की दिशा और दशा तय करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। अधिवक्ताओं की निगाहें अब मतदान और परिणाम पर टिकी हुई हैं, जो इस ऐतिहासिक मुकाबले का फैसला करेगी, और यकीनन परिणाम एक बार फिर बार एसोसिएशन के पक्ष में ही आएगा।

सर्किट हाउस में विश्व हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अमर सिंह गंगवार के नेतृत्व में जिला एवं महानगर की बैठक हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली = सर्किट हाउस में विश्व हिन्दू महासंघ उत्तर प्रदेश के माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर सिंह गंगवार जी के नेतृत्व में जिला एवं महानगर की बैठक संपन्न हुई जिसमें माननीय प्रदेश अध्यक्ष जी ने जिला एवं महानगर के सभी पदाधिकारीयों को सक्रिय हो कार्य करने को कहा एवं सभी को सदस्यता बढ़ाने को कहा साथ ही माननीय प्रदेश अध्यक्ष अमर सिंह गंगवार जी माननीय प्रदेश महामंत्री उमेश कठेरिया माननीय प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद गंगवार जी जिला प्रभारी मुनीश गुप्ता , जिला अध्यक्ष विशाल सिंह , जिला कार्यकारी अध्यक्ष मोनू सिंह ,जिला मंत्री राजन कुमार ,जिला मंत्री भूपेन्द्र सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव, महानगर मीडिया प्रभारी, अभिषेक चंद्रा ,अजय चौहान, सुमित सिंह,छत्रपाल गंगवार मुकेश सिंह आदि मजूद रहे।

सुन्दर कांड एवं हवन पूजन के साथ किया नव वर्ष का स्वागत - डॉ0 रजनीश सक्सेना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी ऑल इंडिया रियल फॉर कल्चरल एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी / माँ गंगा बचाओ वेलफेयर सोसाइटी / महिला कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में अंग्रेजी नव वर्ष की पावन बेला पर नववर्ष महोत्सव 2026 के अंतर्गत संगीतमय सुंदरकांड एवं महाआरती का आयोजन प्राचीनतम बाबा श्री विश्वनाथ मंदिर निकट बैंकमा हाऊस, बरेली के प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रजनीश सक्सेना के नेतृत्व में एवं महानगर उपाध्यक्ष आशीष प्रधान के संयोजन में किया गया।

इस अवसर पर पंडित अमर शर्मा जी एवं साथियों के द्वारा संगीतमय सुंदर कांड, हवन पूजन, भजन संध्या के माध्यम से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महानगर प्रमुख मयंक साधु, वीरेन्द्र प्रसाद खंडेलवाल,वरिष्ठ भाजपा नेता गुलशन आनंद,शिव कुमार बरतरियां, विभाग प्रचारक धर्म जागरण समन्वय अमर सिंह परमार,सी एल शर्मा, योगेश कुमार पटेल, पंकज अग्रवाल, नीरज शर्मा, सी ए विनीश अरोरा ,दुर्गेश गुप्ता ,पूनम भल्ला,रचना सक्सेना,शशिकांत गौतम,आदि ने उपस्थित जनों को धर्म की महत्ता क्यों और कैसे विषय पर रूबरू कराते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। संचालन प्रदेश संयोजक सचिन श्याम भारतीय एवं महानगर उपाध्यक्ष आशीष प्रधान ने किया। इस अवसर पर संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रजनीश सक्सेना ने कहा कि नव वर्ष नई ऊर्जा और का प्रतीक है सुंदर कांड एवं हवन पूजन का आयोजन हमारी भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमारी सकारात्मकता और एकजुटता को बढ़ावा देता है। सभी ने एक दूसरे को आने वाले नव वर्ष में शांति, सौभाग्य, स्वास्थ्य, सम्पन्नता, और सामाजिक उन्नति के लिए बधाई दी। मातृ शक्ति ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता की।

इस अवसर पर धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निश्चित ही हमें आंतरिक शक्ति प्रदान करती है तथा साथ ही हमारे परिवार के बच्चों को धर्म से जोड़े रखने के लिए अति आवश्यक है का संकल्प दिलाया गया।

अंत में भव्य महाआरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।कार्यक्रम में डॉ रजनीश सक्सेना, आशीष प्रधान,अंकुर सक्सेना,रचना सक्सेना,जीतेश राज पीलीभीती, आरव सक्सेना अंशु, श्वेता प्रधान, दिव्यांश प्रधान, मयंक प्रधान, रोहित सक्सेना, प्रियंका सक्सेना, विनय सक्सेना, अंजलि सक्सेना, राहुल कुमार सिंह, उत्तम सक्सेना, सौरभ सक्सेना, आरती सक्सेना, हरजीत कौर, गिरिश सक्सेना, शालू सक्सेना,, नीलम, रूबल, वीर, भगवान दास, शिवा, समर, युक्ति, राशि, शिवाय, मिस्टी, वंशिका, किंजल अग्रवाल, अनुष्का अग्रवाल, भगवती पाल, सौरभ सक्सेना, रेनू गुप्ता, गुड्डी, अशोक प्रधान आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आभार संरक्षक सी एल शर्मा ने व्यक्त किया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दिवंगत भाजपा विधायक की राजनीतिक विरासत किसे मिलेगी... सियारी गलियारों में चर्चाएं तेज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/बरेली। फरीदपुर से भाजपा विधायक प्रो. पंचतत्व में ही सियासी शुरू हो गई है विरासत का प्रो. श्याम भाजपा का श्याम बिहारी लाल के विलीन होने के साथ गलियारे में यह चर्चा कि उनकी राजनीतिक वारिस कौन होगा...? बिहारी दो दशक से झंडा लेकर फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय थे। वर्ष 2007 और 2012 के विधानसभा चुनाव में वह जनता की पहली पसंद नहीं बन पाए, मगर भाजपा ने उन पर भरोसा बरकरार रखा। जब वह जनता को भाए तो फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से 2017 और 2022 में लगातार दो बार जीतने वाले पहले विधायक बने।

फरीदपुर सुरक्षित सीट पर वर्ष 1990 से 2022 तक आठ विधानसभा चुनावों में चार बार सपा, तीन बार भाजपा और एक बार बसपा प्रत्याशी को जीत मिली। प्रो. श्याम बिहारी लाल के निधन के बाद उपचुनाव तय माना जा रहा है। अमूमन बसपा उपचुनावों में प्रत्याशी नहीं उतारती। ऐसे में सियासी लड़ाई सपा व भाजपा के बीच रहेगी। वर्ष 2022 के चुनाव में प्रो. श्याम बिहारी ने सपा के विजय पाल सिंह को मात्र 2921 मतों से मात दी थी। ऐसे में सपा भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पहले प्रो. श्याम बिहारी लाल के परिवार में ही संभावना तलाशी जाएगी। अगर परिवार से कोई आगे नहीं आया तो पार्टी किसी अन्य कार्यकर्ता पर दांव लगाएगी। आखिरी सफर की गवाह बनी कर्मभूमि -प्रो. श्याम बिहारी लाल अपने परिवार के साथ बरेली के शक्ति नगर में रहते थे। उनके निधन के बाद माना जा रहा था कि उनकी अंत्येष्टि शहर के ही श्मशान भूमि पर की जाएगी, मगर फरीदपुर की जनता से राजनीतिक और भावनात्मक जुड़ाव को बरकरार रखने के लिए भाजपा नेताओं ने प्रो. श्याम बिहारी लाल के परिजनों से चर्चा की। इसके बाद शुक्रवार की देर रात तय हुआ कि प्रो. श्याम बिहारी लाल के पार्थिव शरीर की अंत्येष्टि फरीदपुर स्थित श्मशान भूमि पर की जाए।

बार की गरिमा और अधिवक्ता हित मेरा एजेंडा : ज्वाला प्रसाद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बरेली बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार एडवोकेट ज्वाला प्रसाद ने होटल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि उनका प्रमुख लक्ष्य बार की गरिमा को पुनः स्थापित करना और अधिवक्ताओं के हित व सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। एडवोकेट ज्वाला प्रसाद ने कहा कि वे अपने अधिवक्ता साथियों के सम्मान को बनाए रखने के उद्देश्य से ही चुनाव मैदान में उतरे हैं और विजयी होने के पश्चात अधिवक्ता हितों की निरंतर रक्षा एवं संवर्धन के लिए कार्य करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि नवागत अधिवक्ताओं के लिए सीटों की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु नए निर्माण कार्य कराए जाएंगे, जिससे सीट संबंधी समस्या का स्थायी समाधान हो सके। अपने वकालत जीवन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया है और भविष्य में भी अपने साथियों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते रहेंगे। ज्वाला प्रसाद ने कहा कि महिला अधिवक्ताओं के लिए अलग और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कोई औपचारिक घोषणा-पत्र जारी नहीं कर रहे हैं, क्योंकि अधिवक्ताओं के हित में सदैव तत्पर रहना ही उनकी

रविवार को भी जारी रहा एसआईआर का काम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर रविवार को सभी तहसील मुख्यालयों और बूथों पर बी एल ए और बीएलओ के बीच बैठक का आयोजन किया गया।

इसमें बीएलए को एक बार फिर अब्सेंट, डेथ और शिफ्टेड वोटर की सूची दी गई। आपस में समझ बना कर अधिक से अधिक लोगों के फॉर्म जमा करने पर चर्चा की गई।

नईम अहमद राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के फील्ड ऑफिसर नियुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। रांची (झारखण्ड) में 13 से 17 जनवरी तक आयोजित होने वाली बालक एवं बालिकाओं की 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी साइकिलिंग अंडर-14,17 एवं 19 (बालक-बालिका) तथा शतरंज अंडर-14 (बालक-बालिका) प्रतियोगिताओं के लिए बरेली के मण्डलीय क्रीड़ा सचिव तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षक नईम अहमद को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा फील्ड ऑफिसर नामित किया गया है। इससे पूर्व भी नईम अहमद दर्जनों राष्ट्रीय विद्यालयी खेलों में फील्ड ऑफिसर के रूप में अपना योगदान दे चुके हैं।

संयुक्त शिक्षा निदेशक बरेली मण्डल, बरेली राकेश कुमार, मण्डलीय उप शिक्षा निदेशक,तृतीय मंडल,बरेली मुन्ने अली, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 अजीत कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश राय, उप प्रधानाचार्य कुसुम लता राजपूत, डॉ0 गजराम सिंह तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ ने नईम अहमद को बधाई दी।

लाठी-डंडों से पीटकर हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा / शिवपुरी। चौकी खौड़ थाना भौंती पुलिस ने हत्या के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है। मामला अपराध क्रमांक 395/2025 से संबंधित है, जिसमें लाठी-डंडों से मारपीट कर युवक की हत्या की गई थी।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 28 दिसंबर 2025 को फरियादिया कमला पत्नी सिब्बू आदिवासी (62 वर्ष), निवासी ग्राम खैरोना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 20 दिसंबर 2025 की शाम करीब 4 बजे गांव के कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर उनके पुत्र दिलीप आदिवासी के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की। गंभीर चोटें आने के बाद इलाज के दौरान 28 दिसंबर की सुबह दिलीप की मृत्यु हो गई।

मामले में थाना भौंती में धारा 103(1), 190, 191(2), 191(3) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आज दिनांक 04 जनवरी 2026 को ग्राम खैरोना निवासी तीन आरोपियों-मंगल उर्फ मेघा उर्फ मंघा आदिवासी (26), बबलू आदिवासी (24) एवं पदम आदिवासी (28) को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।

इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम भदौरिया, चौकी प्रभारी खौड़ उप निरीक्षक कुसुम गोयल सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

साप्ताहिक जैविक एवं प्राकृतिक हाट बाजार में उमड़ी खरीदारों की भीड़

कलेक्टर ने परिवार संग जैविक स्वीटकॉर्न व सब्जियों की खरीद कर किसानों का बढ़ाया उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा / शिवपुरी ।जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को शिवपुरी शहर की पुरानी अनाज मंडी में आयोजित साप्ताहिक जैविक एवं प्राकृतिक हाट बाजार में आमजन द्वारा जमकर खरीदारी की गई। जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री रवीन्द्र कुमार चौधरी ने परिवार सहित हाट बाजार पहुंचकर जैविक स्वीटकॉर्न एवं सब्जियों की खरीदारी की तथा बाजार का अवलोकन कर किसानों को प्रोत्साहित किया।

हाट बाजार में जिले के विभिन्न विकासखण्डों से आए किसानों द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक पद्धति से उत्पादित सब्जियां, फल एवं खाद्यान्न विक्रय हेतु उपलब्ध कराए गए। शासन की पहल पर यह हाट बाजार प्रत्येक रविवार को आमजन के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों के साथ-साथ सृजन एनजीओ, एसआरएलएम एवं कृषि विज्ञान केंद्र का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस रविवार आयोजित हाट बाजार में 42 किसानों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जिनके माध्यम से किसानों ने लगभग 52 हजार 30 रुपये की आय अर्जित की। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि सह परियोजना संचालक आत्मा श्री पान सिंह करोरिया द्वारा किसानों को शासन की इस पहल के लाभों की जानकारी दी गई। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी प्राकृतिक खेती डॉ. मुकेश कुमार भार्गव ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों एवं आमजन को जागरूक किया।

सृजन एनजीओ के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि कोलारस, पिछोर, करैरा एवं खनियाधाना क्षेत्रों में उनके माध्यम से प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। जैविक हाट बाजार से किसानों को अपने उत्पादों के विक्रय हेतु सुलभ मंच उपलब्ध हुआ है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम में मृदा प्रयोगशाला प्रभारी श्री योगेन्द्र शर्मा, समस्त ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक आत्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम-सीडीओ ने रैन बसेरे का किया निरीक्षण

शीत लहर को देखते हुए रैन बसेरों में रूकने वालों को न हो दिक्कत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद संयुक्त जिला चिकित्सालय में बने रैन बसेरा का रात्रिकाल भ्रमण कर निरीक्षण किया

तथा रैन बसेरा के प्रबंधक को सभी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रखने का निर्देश देते हुए कहा कि भीषण ठंड में गरीब बेसहारों एवं असहायों को रात्रि में ठहरने के लिए कोई दिक्कत न होने पाए इस दौरान 08 व्यक्ति आवासित पाए गए। जिलाधिकारी ने उनके भोजन पानी इत्यादि की जानकारी ली तथा सम्बन्धित को निर्देशित किया कि सर्दी एवं शीत लहर को देखते हुए रैन बसेरों में रूकने वाले बेसहारा लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए अलाव की भी मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने रैन बसेरे में जलाए गए अलाव का भी निरीक्षण किया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि रैन बसेरे में आने वाले परिवारों के लिए अलग एवं अन्य लोगों के लिए अलग ठहरने की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा जनपद में जहां पर भी रैन बसेरा बने हुए है उनके लिए मुख्य मार्गों पर साइन बोर्ड लगाया जाए जिससे लोगों को ढूंढने में कोई दिक्कत न होने पाए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 राजपाल सिंह सहित रैन बसेरा के संचालक व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बाराबंकी में मिली सीतापुर से लापता छात्रा की लाश, घरवाले बोले- युवक करता था परेशान; पुलिस कर रही जांच

सीतापुर से लापता छात्रा की लाश बाराबंकी में नहर में उतराती मिली। सूचना पर बिलखते हुए पहुंचे घरवालों ने कहा कि एक युवक बेटी को परेशान करता था। पुलिस मामले की जांच कर रही हैयूपी के बाराबंकी में नहर में उतराती मिली लाश की पहचान रविवार उसकी पहचान में थोड़ा समय लगा। रविवार को पहचान होने के आकर बेटी के आत्महत्या करने की बात कही।मामला सीतापुर के बेटियां थी। बड़ी बेटी महकप्रीत कौर (16) शहर के एक आत्मनिर्भर महकप्रीत रोजाना बाइक से कॉलेज जाती थी।15 घर से निकली थी। लेकिन, शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके अगले दिन शारदा गई। इधर, एक जनवरी को बाराबंकी के फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र था। मृतका ने पैंट, शर्ट, बेल्ट और पगड़ी पहन रखी थी। इससे भेज दिया गया। 72 घंटे तक सुरक्षित रखा गया। परिजनों ने की रविवार को जगदीप सिंह अपने परिजनों और सीतापुर के सिख पहचान महकप्रीत कौर के रूप में की। पिता जगदीप सिंह ने थी। बाद में पता चला कि उनके ही जिले का निशांत बेटी को परेशान कर रहा था। यह बात महकप्रीत ने अपनी छोटी बहन सहजप्रीत कौर को बताई थी। बदनामी के डर से परिजनों से यह बात नहीं बताई। बाराबंकी पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का वास्तविक कारण पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ा रही है।

को सीतापुर जिले से लापता छात्रा के रूप में हुई। पुरुषों जैसे कपड़े पहने होने के चलते बाद पहुंचे घरवाले रो-रोकर बेहाल उठे। परिजनों ने एक युवक की प्रताड़ना से तंग बिसवा थाना क्षेत्र के नेवराजपुर गांव का है। गांव निवासी सरदार जगदीप सिंह की तीन कॉलेज में बीबीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पढ़ाई में होशियार और स्वभाव से दिसंबर से लापता थी छात्रा- बताया गया कि 15 दिसंबर को वह कॉलेज जाने के लिए ने खोजबीन की पर कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पिता की तहरीर पर बिसवां सहायक नहर की पटरी पर उसकी बाइक मिली। इससे परिजनों की चिंता और बढ़ में जरखा गांव के पास पुल के नीचे नहर में एक शव बरामद हुआ। शव कई दिन पुराना उसे युवक मान लिया गया। इसी आधार पर शव को मेल श्रेणी में पोस्टमार्टम हाउस पहचान- पुलिस ने आसपास के जिलों समेत सीतापुर सूचना प्रसारित की। सूचना पर समुदाय के लोगों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। शव देखकर परिजनों ने उसकी बताया कि शुरू में बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा था। पहले उन्हें इसकी जानकारी नहीं

आगरा के ट्रांसपोर्ट कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या, साझेदार ने भाई और पुत्रों के साथ मिलकर इसलिए मार डाला

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में रविवार को बड़ी वारदात सामने आई। साझेदार ने ही ट्रांसपोर्ट कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात में साझेदार के पुत्रों और भाई ने भी साथ दिया। मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।आगरा के ने भाई-पुत्रों के साथ मिलकर रविवार सुबह पीट- को अंजाम देने का आरोप है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम तहरीर पर चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर हाथीघाट इलाके के रहने वाले ट्रांसपोर्ट कारोबारी पत्नी रूपम दुबे का आरोप है कि पति रविवार सुबह फिरोजाबाद में ककरऊ कोठी स्थित ऑल इंडिया थे। साथ में ट्रक चालक सुभाष, पति के दोस्त शंकर व्यापारिक साझेदार गजेंद्र सिंह निवासी ककरऊ कोठी, नितिन, अंकुर और भाई पिंटू के साथ आए और पति के पास स्थित जय मां भवानी ट्रांसपोर्ट कंपनी, जो पिछले 30 साल से संचालित है। वहां ले गए और शंकर ने घायल पति को मेडिकल कॉलेज के ट्रामा में के शरीर पर खुली चोट नहीं, अंदरूनी चोट के कारण बताया कि मृतक बालमुकुंद के शरीर पर खुली चोट सूजन और चोट थी। संभावना यह जताई जा रही है

ट्रांसपोर्ट कारोबारी की फिरोजाबाद निवासी साझेदार पीटकर हत्या कर दी। व्यापारिक रंजिश में वारदात के बाद परिजन को सौंपा। मृतक की पत्नी की आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।आगरा के बालमुकुंद दुबे के साथ यह वारदात हुई। उनकी करीब चार बजे माल से लदे एक ट्रक को ट्रांसपोर्ट कंपनी के गोदाम पर अनलोड करने आए भी थे। शंकर से सूचना मिली कि बालमुकुंद के थाना उत्तर बाइक पर सवार होकर अपने बेटे के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद जैन मंदिर पति बालमुकुंद और गजेंद्र सिंह की साझेदारी में फिर से मारपीट की। इसके बाद फरार हो गए। भर्ती कराया। यहां उनकी मौत हो गई। बालमुकुंद मौत- इंस्पेक्टर थाना उत्तर अंजीश कुमार सिंह ने का कोई निशान नहीं पाया गया। उनके पैरों में कि आरोपियों ने उनके पैरों में लाठी-डंडों से प्रहार किया। अत्याधिक प्रहार के कारण शरीर के अंदर से ही रक्त का स्राव हुआ और वहीं उनकी मौत का कारण बना। तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, पत्नी रो-रोकर बेसुध- बालमुकुंद के परिवार में दो बेटी, एक बेटा और पत्नी रूपम है। पति की हत्या के बाद से सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। हत्यारोपियों की तलाश में तीन टीम लगाईं- एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद ने बताया कि हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस की तीन टीम लगी हैं। इनकी जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी और कड़ी सजा दिलाई जाएगी। मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। पत्नी ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंपा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी मंगवाई है। लेनदेन पर बिगड़ी बात- सीओ सिटी प्रवीण तिवारी ने बताया कि पुलिस की जांच में सामने आया है कि बालमुकुंद और गजेंद्र सिंह 30 साल से व्यापारिक साझेदार थे। साझेदारी वाली ट्रांसपोर्ट कंपनी जय मां भवानी के फिरोजाबाद कार्यालय को गजेंद्र सिंह और हाथीघाट वाले कार्यालय को बालमुकुंद संभालते थे। दोनों के बीच अच्छी दोस्ती थी, ट्रांसपोर्ट कारोबार से पहले भी दोनों एक साथ काम करते थे। मृतक बालमुकुंद की पत्नी रूपम ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ समय से गजेंद्र की पैसों पर नियत खराब हो गई। कमाई के पूरे हिस्से को वह खुद हड़प जाता था। इसी विवाद में पति बालमुकुंद ने आगरा से लोड होने वाले माल को दूसरी ट्रांसपोर्ट पर उतारना शुरू कर दिया था। रविवार को भी यही हुआ। आल इंडिया ट्रांसपोर्ट कंपनी, ककरऊ कोठी पर आगरा से लदे माल को उतारा जा रहा था। इसी का विरोध करने गजेंद्र अपने बेटों, भाई के साथ आया था। उसने आते ही पति के साथ अभद्रता, गाली-गलौज की। इसके बाद हत्या की धमकी देने लगे। पति ने विरोध किया तो उनके साथ गजेंद्र, उसके बेटे नितिन, अंकुर और भाई पिंटू ने मारपीट की। इसके बाद भी जब मन नहीं भरा तो पति को लेकर जय मां भवानी ट्रांसपोर्ट कंपनी के कार्यालय ले गए। वहां फिर से मारपीट करते हुए हत्या कर डाली।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाने वाली सड़क पर जलभराव से परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव/ श्रावस्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) जमुनहा को जाने वाली सड़क काफी समय से बदहाल पड़ी है। सड़क जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे मरीजों व तीमारदारों तथा अन्य लोगों की आने जाने में परेशानी होती है। घरों से निकलने वाला पानी सड़क पर जमा होकर कीचड़ और जलभराव की स्थिति बना देता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क के दोनों ओर नाली का निर्माण न होना समस्या की सबसे बड़ी वजह है। पीएचसी वाली सड़क पर भरा का पानी सीधे सड़क पर बहता है, जिससे सड़क लगातार खराब होती जा रही है। मरीज व तीमारदार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचते हैं। खासकर गंभीर मरीजों को लेकर जाने वाले तीमारदारों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस और वाहन गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे इलाज में देरी का खतरा बना रहता है। पैदल आने-जाने वाले मरीजों के लिए भी यह सड़क जोखिम भरी साबित हो रही है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क की जल्द से जल्द मरम्मत कराई जाए और दोनों तरफ नाली का निर्माण कराया जाए, ताकि जलनिकासी की समस्या दूर हो सके।

संडे बाजार को स्थानांतरित करने के फैसले के विरोध में सैकड़ों व्यापारी सड़कों पर उतर आए

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में रविवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब जिला प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक %संडे बाजार% को स्थानांतरित करने के फैसले के विरोध में सैकड़ों व्यापारी सड़कों पर उतर आए। व्यापारियों ने शहर के मुख्य चौक पर करीब आधे घंटे तक धरना दिया, जिससे आवागमन प्रभावित रहा।प्रशासन का निर्णय और व्यापारियों का तर्क हाल ही में जिला प्रशासन ने निर्णय लिया है कि शहर के प्रमुख बाजार में लगने वाले इस साप्ताहिक संडे बाजार को अब क्रिश्चियन इंटर कॉलेज के मैदान में शिफ्ट किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में संडे बाजार के अध्यक्ष नितिन गुप्ता को चार दिन पहले ही सूचित कर दिया गया था। वहीं दूसरी ओर, प्रदर्शनकारी व्यापारियों का तर्क है कि यह बाजार सदियों से इसी स्थान (चौक) पर लगता आ रहा है। व्यापारियों ने सर्दियों के सीजन के लिए लाखों रुपये का निवेश किया है, ऐसे में अचानक जगह बदलने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा। व्यापारियों का दावा है कि इस बाजार से शहर में किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होता है। निजी भूमि को लेकर आशंका- व्यापारियों ने क्रिश्चियन कॉलेज के मैदान को %निजी भूमि% बताते हुए वहां जाने से इनकार किया है। उनका कहना है कि निजी जमीन होने के कारण उन्हें वहां से कभी भी हटाया जा सकता है, जो उनके साथ सीधा शोषण होगा। आत्मदाह की चेतावनी- मामला उस समय और गंभीर हो गया जब व्यापारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उन्हें जबरन वहां से हटाया गया, तो वे आत्मदाह करने को भी तैयार हैं।

देवेंद्रनगर की बेटी डॉ. श्रुति अग्रवाल का एमएस के लिए चयन, नगर को मिला गौरव

क्यूँ न लिखूँ सच / रमाशंकर तोमर / देवेंद्रनगर (पन्ना) मध्यप्रदेश

देवेंद्रनगर निवासी शिरीष अग्रवाल की सुपुत्री डॉ. श्रुति अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर एक बार फिर नगर का नाम गौरवान्वित किया है। वर्तमान में पन्ना जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. श्रुति अग्रवाल का पीजी नीट परीक्षा में पहले ही प्रयास में चयन होकर मध्यप्रदेश के सबसे बड़े एवं प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, इंदौर में हुआ है, जहाँ से वे एमएस (मास्टर ऑफ सर्जन) की उच्च स्तरीय डिग्री प्राप्त करेंगी।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से न केवल अग्रवाल परिवार, बल्कि समूचा देवेंद्रनगर गर्व और हर्ष से अभिभूत है। नगरवासियों ने इसे देवेंद्रनगर के लिए सम्मान की उपलब्धि बताते हुए डॉ. श्रुति अग्रवाल को बधाइयाँ एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

उल्लेखनीय है कि डॉ. श्रुति अग्रवाल प्रारंभ से ही मेधावी छात्रा रही हैं। देवेंद्रनगर स्थित भारतीय विद्यापीठ में अध्ययनरत रहते हुए उन्होंने कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में मध्यप्रदेश की टॉप-10 सूची में स्थान प्राप्त कर नगर को पहले ही गौरवान्वित कर दिया था। उसी समय से नगरवासियों को यह पूर्ण विश्वास था कि यह प्रतिभाशाली बेटी भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय मुकाम हासिल करेगी, जो आज साकार होता दिखाई दे रहा है।

डॉ. श्रुति अग्रवाल की इस उल्लेखनीय सफलता पर भारतीय विद्यापीठ के संचालक नीलवर्ण सिंह जी बुंदेला, पत्रकार विकास परिषद, जीरो सेवा समिति, मसल्क-ए-आला हजरत कमेटी, मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन सहित अनेक सामाजिक, शैक्षणिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयाँ दीं और उनके उज्ज्वल चिकित्सकीय भविष्य की कामना की।

डॉ. श्रुति अग्रवाल की यह सफलता देवेंद्रनगर की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह संदेश देती है कि समर्पण, अनुशासन और सतत परिश्रम से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

बुलडोजर एक्शन से पहले खुद ही हथौड़े से तोड़ डाली मस्जिद... प्रशासन ने जेसीबी से की मदरसा तोड़ने की कार्रवाई

संभल के सलेमपुर सलारपुर उर्फ हाजीपुर में प्रशासन के नोटिस के बाद ग्रामीणों ने मस्जिद स्वयं तोड़ दी। इसके पास ही बने मदरसे को प्रशासन ने जेसीबी से गिराने की कार्रवाई शुरू की। मौके पर डीएम-एसपी मौजूद रहे।उत्तर प्रदेश के संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर सलारपुर उर्फ हाजीपुर में प्रशासन की कार्रवाई से पहले ही बड़ा घटनाक्रम सामने आया। नोटिस मिलने के बाद ग्रामीणों ने मस्जिद को खुद ही ध्वस्त कर दिया। रविवार सुबह प्रशासनिक टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची। करीब 12-30 बजे मस्जिद से कुछ दूरी पर स्थित मदरसे को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की गई। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे। पूरे इलाके में पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि प्रशासन के नोटिस के बाद ग्रामीणों ने स्वयं मस्जिद को गिरा दिया था। मस्जिद की खाली हुई जमीन पर 20 गरीब लोगों को पट्टे दिए गए हैं।वहीं, मदरसे को लेकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी है। प्रशासन का कहना है कि पूरी कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। इलाके में फिलहाल स्थिति सामान्य बनी हुई है।प्रशासन दे चुका है ध्वस्तीकरण का नोटिस गांव सलेमपुर सलार उर्फ हाजीपुर निवासी मस्जिद के मुतवल्ली हाजी शमीम पर आरोप है कि उन्होंने करीब पौने चार बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मस्जिद और मदरसे का निर्माण किया था। पहले मदरसे का निर्माण किया और बाद में करीब 10 वर्ष पहले मस्जिद का निर्माण कर लिया गया।शिकायत के बाद 14 जून 2018 को सरकारी जमीन पर मस्जिद व मदरसा निर्माण किए जाने की आख्या दी गई थी। जिसके आधार पर मामला तहसीलदार न्यायालय में चला। साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर सरकारी जमीन पर निर्माण की पुष्टि दो सितंबर 2025 को हुई थी।इसके चलते ही न्यायालय की ओर से मुतवल्ली पर 7.78 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और मस्जिद और मदरसे का निर्माण कर जो सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया गया है उसको हटाने के निर्देश दिए।इसके बाद भी यह निर्माण नहीं हटाए गए तो प्रशासन की टीम ने तीन जनवरी यानि शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। हालांकि अवकाश के चलते तय समय को बढ़ा दिया गया है लेकिन अब मुस्लिम समाज के लोगों ने खुद ही मस्जिद तो तोड़ दिया।मल्लक शाह कब्रिस्तान पर अवैध कब्जे की शिकायत संभल शहर के शंकर चौराहे के नजदीक स्थित मल्लक शाह बाबा के कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण करने का आरोप लगाया है। प्रशासनिक अधिकारियों से कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।मोहल्ला चमन सराय निवासी मोहम्मद असलम द्वारा यह शिकायत की गई है। इसमें कहा है कि कब्रिस्तान के दस्तावेज में कोई निर्माण दर्ज नहीं है लेकिन वर्तमान में कई निर्माण हो रहे हैं। लगातार कब्जा बढ़ता जा रहा है। मांग की है कि जांच कराकर कब्जा मुक्त किया जाए।

जाट हूं, 50 थार खड़े-खड़े खरीद दूंगी: शराबी महिला ने किया हंगामा, साथ में दो दरोगा ने भी दिखाया रौब

आरोपी महिला ने अभिषेक नेहरा और उसके साथी शुभम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गौर करने वाली बात यह है कि पूरा घटनाक्रम मोदीनगर थाना क्षेत्र का है मगर महिला ने रिपोर्ट निवाड़ी थाने में दर्ज कराई। अभिषेक का आरोप है कि महिला के साथ मौजूद दोनों दरोगा निवाड़ी थाने में तैनात है। इसलिए दरोगाओं ने अपने पद का दुरूपयोग कर उनके खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई।मोदीनगर के निवाड़ी रोड पर बिजलीघर के समीप स्थित अपने मकान के सामने खड़ी गाड़ियों को हटाने के लिए कहना युवक अभिषेक नेहरा और उसके साथी को महंगा पड़ गया। गाड़ी हटाने के लिए कहने से बौखलाई महिला और निवाड़ी थाने के दो दरोगाओं ने जमकर बवाल काटा। हंगामा करते हुए महिला ने जातिसूचक शब्द कहे। बोली कि जाट हूं कोई अनुसूचित जाति की नहीं हूं। भट्ठा मालकिन हूं ऐसी 50 थार खड़े खड़े खरीद दूंगी। दरोगाओं ने भी वर्दी का पूरा रौब जमाया और अभिषेक व उसके साथी को जमकर हड़काया। अभिषेक ने पुलिस कमिश्नर से मामले की शिकायत की है। घटना से जुड़े दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। घटना 21 दिसंबर की है।मोदीनगर थाना क्षेत्र के गांव बुदाना निवासी अभिषेक नेहरा ने बताया कि निवाड़ी रोड बिजलीघर के समीप उनका मकान है। बीते 21 दिसंबर की रात वह मकान पर गाड़ी खड़ी करने गए थे। आरोप है कि मकान के बाहर दो गाडियां खड़ी हुई थी। जिसमें दो दरोगा और एक महिला शराब पी रही थी। उन्होने अपनी गाड़ी खड़ी करने के लिए घर के सामने से गाड़ी हटाने के लिए कहा तो महिला और दोनों दरोगा आग बबूला हो गए। गुस्साए दरोगाओं और महिला ने जमकर बवाल काटा। अभिषेक और उसके साथी को धमकाते हुए गाली गलौंज की। बोली तू जाट है तो मैं भी जाट हूं। महिला ने जाति सूचक शब्द भी कहे। इसके अलावा दोनों दरोगाओं ने भी उनसे गाली गलौंज की। अभिषेक ने वीडियो बनाई तो दरोगाओं के तेवर ढीले पड़ गए मगर महिला फिर भी अभद्रता करती रही। काफी देर तक हंगामा चलता रहा। मामला बढ़ने पर आरोपी अपनी अपनी कार लेकर चले गए।महिला ने अभिषेक और उसके दोस्त पर कराई पीछा कर गाड़ी से खीचने की एफआईआर- आरोपी महिला ने अभिषेक नेहरा और उसके साथी शुभम के खिलाफ गाड़ी से पीछा करने और बाहर खीचने का आरोप लगाते हुए निवाड़ी थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई। गौर करने वाली बात यह है कि पूरा घटनाक्रम मोदीनगर थाना क्षेत्र का है मगर महिला ने रिपोर्ट निवाड़ी थाने में दर्ज कराई। अभिषेक का आरोप है कि महिला के साथ मौजूद दोनों दरोगा निवाड़ी थाने में तैनात है।

इसलिए दरोगाओं ने अपने पद का दुरूपयोग कर उनके खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई। धोखाधड़ी में आरोपी है महिला और उसका पति- महिला और उसके पति के खिलाफ निवाड़ी थाने में 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी का केस दर्ज है। आरोप है कि महिला और उसके पति ने भट्ठे में मुनाफे का लालच देकर 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। वीडियो डिलीट नहीं करने पर दरोगाओं ने दी जेल भेजने की धमकी- अभिषेक ने बताया कि वीडियो बनती देख दरोगाओ के तेवर ढीले पड़ गए। एक दरोगा महिला के कंधे पर हाथ रखकर उसे शांत करने का प्रयास करने लगा। आरोप है कि महिला के चले जाने के बाद दरोगाओं ने अभिषेक से वीडियो डिलीट करने के लिए कहा। वीडियो वायरल करने पर जेल भेजने की धमकी दी। अभिषेक ने मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से की। मामला संज्ञान में आने के बाद एक दरोगा पर गाज गिर सकती है। एसीपी ने निवाड़ी पुलिस से मुकदमे की विवेचना हटकार मोदीनगर पुलिस को सौंपी- एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है। प्रकरण से उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। महिला की ओर से अभिषेक और शुभम के खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमें विवेचना मोदीनगर थाने को ट्रांसफर कर दी है।

बैंड-बाजे के साथ निकाली पालतू गाय की शव यात्रा, किसान ने सम्मानपूर्वक किया अंतिम संस्कार

शाहजहांपुर जनपद के करकौर गांव से अनोखा मामला सामने आया है। गांव निवासी किसान की पालतू गाय की मौत हो गई। इस पर किसान ने बैंड-बाजे के साथ गाय की शव यात्रा निकाली और सम्मानपूर्व उसका अंतिम संस्कार किया। इस दौरान तमाम ग्रामीण मौजूद रहे। शाहजहांपुर के जैतीपुर क्षेत्र के करकौर गांव में किसान सर्वेश शर्मा की पालतू गाय की मौत के बाद ढोल-बाजों के साथ के सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया। गाय की अंतिम यात्रा में काफी लोग शामिल हुए। ग्रामीणों ने किसान के इस कार्य की सराहना की। कहा कि किसान ने गाय को अपने परिवार के सदस्य की तरह माना। जीते जी गाय उनके परिवार का सहारा बनी। गाय के मरने पर किसान ने धर्म-कर्म के अनुसार उसका अंतिम संस्कार किया। खेतीबाड़ी करने वाले सर्वेश शर्मा ने करीब 20 साल पहले गाय को पाला था। उन्होंने बताया कि जब उनकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी, तब गाय उनके परिवार का सहारा बनी। गाय का दूध बेचकर अपने बच्चों का पालन-पोषण किया। यह गाय उनके परिवार के लिए भाग्यशाली रही। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है। उनकी यह गाय काफी समय से बीमार चल रही थी। शनिवार रात गाय की मौत हो गई। किसान ने अपने खेत में किया अंतिम संस्कार रविवार को दोपहर के समय गाय की अंतिम यात्रा सम्मान के साथ निकाली गई। बैलगाड़ी पर गाय के शव को रखा गया। उसके आगे बैंड-बाजे वाले ढोल बजाते हुए चल रहे थे। अंतिम यात्रा में गांव के तमाम लोग शामिल हुए। सर्वेश ने अपने खेत में जेसीबी से गड्ढा खुदवाया और धर्म-कर्म के हिसाब से अंतिम संस्कार कर दिया। इस दौरान गांव महावीर सिंह, पूर्व प्रधान राजेंद्र पाल गुर्जर, अनूप मिश्रा, नेत्रपाल कश्यप, पप्पू मिश्रा, रामलखन गुप्ता, पेशकर गुर्जर, मैकू कश्यप, रामगोपाल कश्यप आदि मौजूद रहे।

मथुरा में सराफा कारोबारी की हत्या...घर में मिली खून से सनी लाश, लूट का आरोप; जांच में जुटी पुलिस

मथुरा के थाना गोविंद नगर क्षेत्र के तेलीपाड़ा में सराफा व्यापारी का शव घर में पड़ा मिला। खून से लथपथ शव देख परिजनों की चीख निकल गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। मथुरा के थाना गोविंद नगर के बुजुर्ग चांदी कारोबारी का शव घर में खून से खुली हुई थी और सामान अस्त-व्यस्त था। का निशान है। परिजनों का आरोप है की गई है और घर में लूट की वारदात को अंजाम वह फॉरेंसिक टीम घटना की जांच में जुट गई चंद्र गर्ग अपने मकान में अकेले रहा करते थे। नौकरी करते हैं। घर में उनके अलावा दो जब उनकी सीढ़ियों का गेट नहीं खुला तो सतीश चंद्र के परिजनों को फोन के द्वारा सूचित किया। पुलिस के आने पर जब गेट खोल कर देखा गया तो चांदी कारोबारी अपने कमरे में पलंग पर मृत पड़े मिले।

तेलीपाड़ा, लाल दरवाजा इलाके में लथपथ मिला। घर की सारी अलमारी कारोबारी की कनपटी पर गोली लगने कारोबारी की गोली मारकर हत्या की दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस है। 60 वर्षीय चांदी कारोबारी सतीश उनके तीन बेटे हैं जो कि बाहर रहकर किराएदार भी रहते थे। रविवार सुबह किराएदारों को शक हुआ। उन्होंने

संक्षिप्त समाचार

दो नीलगायों के शिकार के मामले में वन विभाग ने छह लोगों को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / फर्रुखाबाद / मोहम्मदाब/ में दो नीलगायों के शिकार के मामले में वन विभाग ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से पांच आरोपी फिरोजाबाद जनपद के निवासी हैं। आरोपियों के पास से हथियार और अन्य सामान बरामद हुआ है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से एक बंदूक, बारूद, पांच मोबाइल फोन, एक छुरी, लोडर और दो बाइकें बरामद हुई हैं। इन सभी पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। सामाजिक वानिकी के प्रभागीय निदेशक राजीव कुमार को सूचना मिली थी कि मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के रोहिल्ला गांव में नीलगायों का शिकार हुआ है और शिकारी मौके पर मौजूद हैं।

सूचना के आधार पर वन क्षेत्राधिकारी अनूप कुमार के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और शिकारियों की घेराबंदी की। शिकारियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने छह लोगों को पकड़ लिया। मौके से दो मृत नीलगाय भी बरामद हुईं गिरफ्तार किए गए आरोपियों में फिरोजाबाद के थाना रामगढ़ निवासी आसिफ, इमामुद्दीन अली, कोहिनूर रोड निवासी अब्दुल, शाहबाज, मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र निवासी आर्यांस और दुदौली निवासी शिव शामिल हैं। बताया गया है कि आर्यांस ही इन सभी को शिकार के लिए बुलाकर लाया था। इनके पास शिकार की कोई अनुमति नहीं थी।

डीएफओ ने बताया कि सूचना मिलने के बाद वन क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में टीम का गठन कर भेजा गया था। उन्होंने यह भी बताया कि ये शिकारी पहले भी ऐसी घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। जब टीम मौके पर पहुंची, तो शिकारी सरसों के खेत में छिप गए थे, जिसके बाद टीम को तलाशी अभियान चलाकर उन्हें पकड़ना पड़ा।

54 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ 03 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। सिरसिया - पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने जनपद श्रावस्ती मे अवैध मादक पदार्थों/शराब की बिक्री एवं निर्माण की रोकथाम के संबंध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम एवं क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष सिरसिया शैलकांत उपाध्याय के नेतृत्व में थाना सिरसिया पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए भगवानपुर जाने वाली पुलिया क्षेत्र से अलग-अलग मामलों में कुल 03 अभियुक्तों को 54 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना स्थानीय पर अभियुक्त कल्लू उर्फ सुभाष पुत्र बछराज निवासी फुलिया दाखिला भगवानपुर थाना सिरसिया के पास से 18 लीटर, अभियुक्त ननके पुत्र मंगरे थाना सिरसिया निवासी फुलिया दाखिला भगवानपुर थाना सिरसिया के पास से 18 लीटर व अभियुक्त भोले पुत्र रामस्वरूप निवासी फुलहिया दाखिला भगवानपुर थाना सिरसिया के पास से 18 लीटर अवैध कच्ची शराब टोटल 54 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई।

सड़क हादसों में बाइक सवार तीन युवक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती तीन अलग अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। तीनों घायलों को स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से तीनों को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के मनकौरा निवासी सुभाष चंद्र यादव (35) पुत्र जगत राम यादव बाइक से अपनी ससुराल हरदत्त नगर गिरंट इलाके के काशीपुरवा गांव से वापस घर लौट रहा था। इस दौरान भट्ठा कुटी के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे कटीले तारों में जा घुसी। हादसे में सुभाष गंभीररूप से घायल हो गया। एम्बुलेंस से घायल को सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां से उसे मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया। वहीं इकौना थाना क्षेत्र के इकौना पयागपुर मार्ग पर वाहन की टक्कर से बाइक सवार बहराइच जिले के तिलखांवा निवासी मुकेश कुमार (30) वर्ष पुत्र ननकऊ गंभीररूप से घायल हो गया।

You'll forget the taste of restaurants and dhabas when you make this easy "Dum Aloo" at home. Take note of the recipe.

Who doesn't love dhaba or hotel-style Dum Aloo? Its thick gravy and spicy flavor are perfect with naan or paratha. But did you know you can make restaurant-style Dum Aloo at home? To do this, you just need to follow this simple and easy recipe. Dum Aloo is a classic and popular North Indian dish, one that's sure to make your mouth water. Whether it's a wedding or a special guest, Dum Aloo always graces the menu. Dum means cooking over low heat, allowing the flavors of the spices to permeate the potatoes. Here, we share a simple and easy recipe for restaurant-style Dum Aloo, which can help you make delicious Dum Aloo at home. Ingredients: Baby potatoes - 500 grams (boiled and peeled) Oil - for frying and making the gravy For the gravy: Onions - 2 medium (finely chopped) Tomato puree - 3 medium tomatoes Ginger-garlic paste - 1 tablespoon Yogurt - 1/2 cup (well-whisked) Cashew paste - 2 teaspoons (optional, for a rich gravy) Spices: Whole spices - 1 bay leaf, 1 inch cinnamon, 2-3 cloves, 1 large cardamom Turmeric powder - 1/2 teaspoon Kashmiri red chili powder - 1 tablespoon (this gives a nice color) Coriander powder - 1 tablespoon Garam masala - 1/2 teaspoon Kasuri methi - 1 teaspoon Salt - to taste Coriander leaves - finely chopped Method: First, boil the baby potatoes. Be careful not to overcook them (cook them only till 80%). After peeling, prick the potatoes with a fork or toothpick. Heat the oil in a pan and fry the potatoes until golden brown. Frying creates a crispy layer on the potatoes that better absorbs the gravy. Heat 2 tablespoons of oil in another pan. Add cumin seeds and whole spices. When the spices begin to smell fragrant, add finely chopped onions and fry until lightly browned. Add ginger-garlic paste and cook for a minute. Then add tomato puree and cook until the spices release oil. Add turmeric, coriander powder, and Kashmiri red chili. Reduce the heat and add the beaten yogurt. Stir constantly while adding the yogurt to prevent curdling. When the gravy is cooked, add the fried potatoes and water as needed. Add salt and garam masala. Cover the pan tightly with a lid. For a true "dum," seal the edges of the lid with kneaded dough. Let it simmer over low heat for 8-10 minutes. Open the lid at last, add Kasuri Methi and green coriander on top. Your hot and delicious Dum Aloo is ready. Pro Tip: Curd temperature- Curd should always be at room temperature, do not add it to the gravy immediately after taking it out from the fridge. Choose the right potatoes- Small potatoes are best for Dum Aloo, but if they are not available, then big potatoes can also be used by cutting them into two or four pieces. Serve- You can serve Dum Aloo with hot Naan, Lachha Paratha or Jeera Rice.

Is cholesterol an enemy or a friend? Read here about 7 major myths related to it and their truths.

People panic at the mention of cholesterol. But it's not always a cause for concern. In fact, many misinformation about cholesterol is prevalent among the public. Because of this, people are unable to control cholesterol properly or make mistakes, which have devastating consequences. Cholesterol accumulation causes blockage of arteries. The body contains both good and bad cholesterol. People believe many myths related to cholesterol. We consider cholesterol an enemy of our health, which is true. If cholesterol levels rise, the risk of heart disease increases. However, good cholesterol is also essential for our body. It plays an important role in hormone production, cell building, etc. However, most people consider all types of cholesterol to be harmful. This is just one example; there are many other misinformation related to cholesterol that people believe. Let's learn about them. Cholesterol Myths - All Cholesterol is Bad - Many people believe that cholesterol is only harmful to the body, but this is only half true. In fact, good cholesterol removes bad cholesterol from the arteries and protects the heart, while bad cholesterol accumulates in the arteries and causes blockages. I don't need medicine, diet and exercise are enough - Diet and exercise are essential for improving health, but sometimes they alone cannot control cholesterol. If a doctor recommends medication, ignoring them can be dangerous. The biggest myth is that high cholesterol has obvious symptoms. High cholesterol often increases without any symptoms and is not detected until the problem becomes serious. Therefore, getting regular blood tests is the right solution. The belief that only overweight people suffer from cholesterol is also completely wrong. Even thin or normal-weight people can suffer from high cholesterol due to unhealthy eating habits, stress, smoking, and family history. Eating eggs increases cholesterol - Eggs do contain cholesterol, but they do not increase blood cholesterol as much as people believe. According to research, eating eggs in moderation is beneficial for health, as they contain protein, vitamins, and minerals. The notion that I can't do anything about my cholesterol is completely false. Cholesterol can be controlled to a large extent by improving lifestyle, maintaining a healthy diet, exercising regularly, and avoiding smoking and alcohol. I don't feel my cholesterol is high. Many people think fatigue, headaches, or weakness will indicate their cholesterol. But the truth is that the body cannot sense it. High cholesterol can only be accurately detected through testing. These misconceptions about cholesterol either overly frighten people or make them careless. The truth is that it is an essential component of the body that can be easily controlled with a balanced lifestyle, regular checkups, and doctor's advice. So, trust facts, not myths, and maintain a healthy heart.

Planning a trip in January? From Gulmarg to Kutch, these places will make your trip memorable.

Are you planning a trip in January? If so, many places in India are perfect for this season. The weather in these places is pleasant during this season, and you can also indulge in activities like ice skating and snorkeling. January is a great time to travel. It's cold in North India during this time. The weather in South India is also pleasant during January. January is considered the perfect time to travel in India. While North India is covered in a white blanket of snow, the weather in South and West India is pleasant and relaxing. If you want to start the New Year with a memorable trip, let's explore some of the best places to visit in January. Gulmarg, Jammu and Kashmir: If you want to experience a true winter wonderland, there's no better place than Gulmarg. Heavy snowfall occurs here in January, making it a paradise for skiing and snowboarding enthusiasts. A gondola ride here will take you through the breathtaking views of the Himalayas. If you want to escape the harsh winter and enjoy the golden sunshine, Jaisalmer is the perfect destination. The temperature here is pleasant during the day in January. You can enjoy camel rides, desert safaris, and camping at the Sam Sand Dunes. Folk music and starry nights make the desert experience memorable. Rann of Kutch, Gujarat: Gujarat's "Rann of Kutch" is at its full glory in January. The "Rann Utsav" held here attracts tourists from all over the world. The miles of white salt desert, especially on full moon nights, feel like something out of this world. Here, you can enjoy local handicrafts and delicious Gujarati cuisine. Auli, Uttarakhand: Auli in Uttarakhand is famous for its scenic slopes and spectacular views of the Nanda Devi Mountains. In January, this place is completely covered in snow. The cool breeze and tranquility make it a popular destination for couples and adventure lovers. Munnar, Kerala: If you prefer greenery over mountain snow, Munnar in South India should be on your list. The weather here is mildly cool and very clear in January. Tea plantations, mist-shrouded hills, and waterfalls will make your trip relaxing. Some important travel tips: For North India, bring heavy woolen clothing, thermal wear, and snow boots. For South/West India, a light sweater or jacket will suffice. Booking: January is peak season, so book hotels and flights in advance.

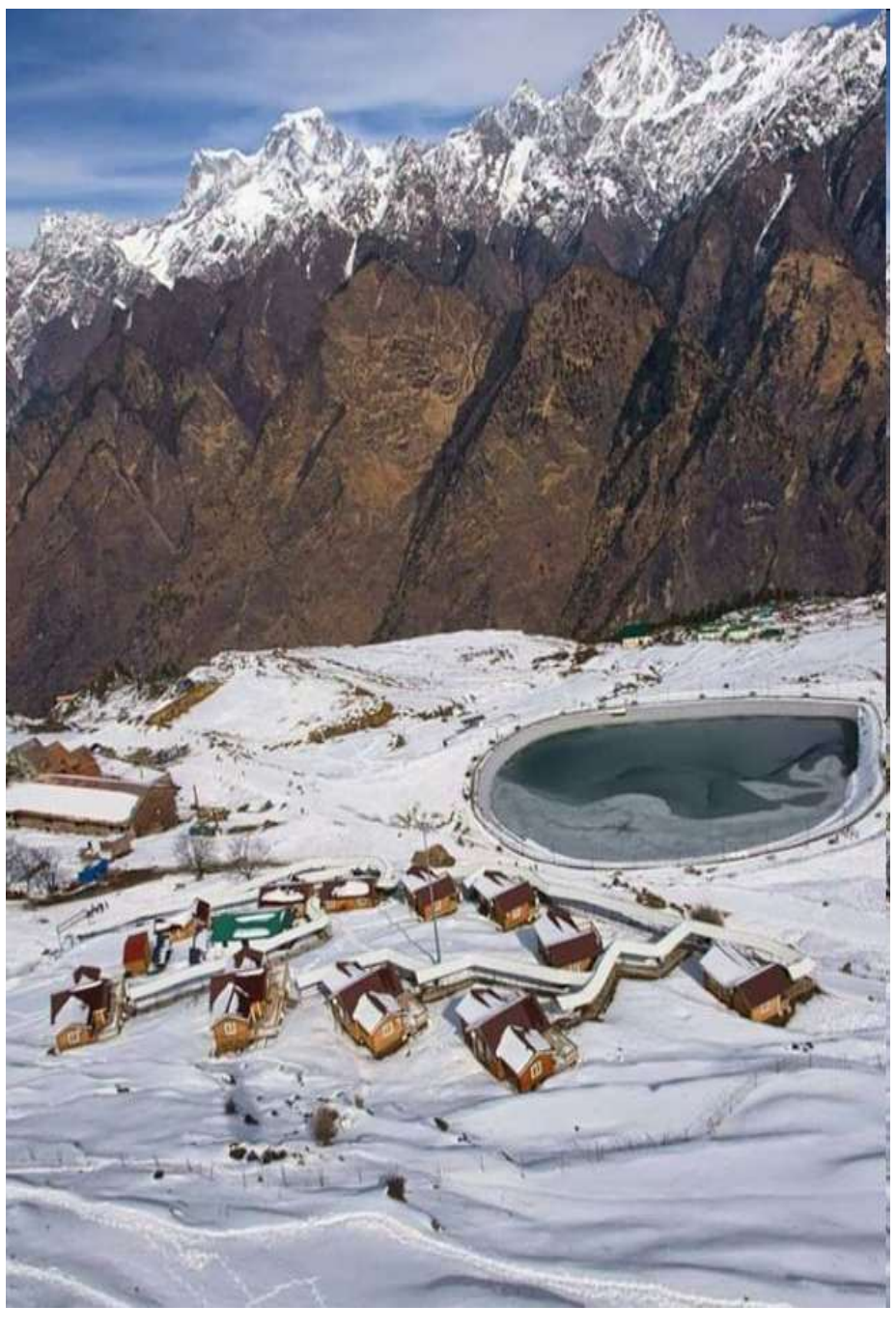

Shah Rukh Khan in the news for the ouster of a Bangladeshi cricketer. How much does King Khan earn from the IPL?

Superstar Shah Rukh Khan's name is in the news due to the ouster of Bangladeshi cricketer Mustafizur Rahman from the IPL franchise team KKR. Therefore, we are going to tell you how much King Khan earns from the IPL. Shah Rukh Khan's IPL team is KKR. Mustafizur Rahman has been removed from KKR - How much does King Khan earn from the IPL? Superstar Shah Rukh Khan has achieved success in the entertainment world as well as in the sports world. In the Indian Cricket League (IPL 2026), King Khan's team, Kolkata Knight Riders, is one of the most popular teams in the tournament. Currently, Shah Rukh Khan and his IPL franchise, KKR, are constantly making headlines due to the ouster of Bangladesh cricket team fast bowler Mustafizur Rahman from the KKR team. Amidst this controversy, we're going to provide you with information about Shah Rukh Khan's earnings from the IPL. How much does Shah Rukh Khan earn from the IPL? In 2008, Shah Rukh Khan purchased the IPL franchise cricket team, Kolkata Knight Riders. So far, Shah Rukh Khan's team has won the IPL title three times: in 2012, 2014, and 2024. In addition to his films, the Hindi cinema superstar earns a substantial amount from the IPL. Shah Rukh Khan owns 55 percent of the KKR team's shares, with Jay Mehta and Juhi Chawla owning the remaining shares. Consequently, the majority of the Kolkata Knight Riders' IPL earnings go to King Khan. According to various media reports, Shah Rukh Khan earns an estimated ?150-170 crore (approximately $1.7 billion) per IPL season through his franchise team. However, these figures cannot be confirmed. Furthermore, Shah Rukh Khan's total net worth is estimated to exceed ?1,200 crore (approximately $1.2 billion). According to a Forbes report, Shah Rukh is Bollywood's richest actor, and not only that, the young actor's name also tops the list of the world's top richest actors. Shah Rukh Khan's next film - Shah Rukh Khan has been keeping a distance from the big screen since 2023. His upcoming film, King, was announced on November 2, 2025. It is believed that King will be released in theaters in 2026. In this film, he will be seen with his daughter Suhana Khan for the first time.

This actress, not Hrithik Roshan, was Bollywood's first superhero; she later became cinema's "sad mother."

Hrithik Roshan is credited with making the first superhero film in Bollywood. But did you know that an actress played a flying superhero before him? This actress is Bollywood's first superhero - known as the Queen of Misery - and has worked in over 300 films. Superhero stories are rare in Bollywood. Especially, the presence of a female superhero in a film is even rarer. Recently, "Loka: Chapter 1" marked a major milestone in Malayalam cinema as the first female superhero film. Kalyani Priyadarshan plays the lead role, possessing supernatural powers and fighting against injustice. Soon, we will have another female superhero film produced by Maddock Films, starring Anita Padda as "Shakti Shalini." These films are said to be paving the way for more female-led superhero stories in Indian cinema, but did you know that decades ago, an actress was one of the first female superheroes on-screen? - This actress became Bollywood's first superhero - Long before Bollywood's caped heroes soared in CGI skies and even before Hrithik Roshan donned the mask of Krrish, Hindi cinema saw its first 'Superman,' and she wasn't, but was. She was Nirupa Roy, whom most of us saw weeping as the 'Dukhiyaari Maa' in melodramatic Hindi films. Played Superman in this film - Long before she wept on screen for Amitabh Bachchan or bestowed the Goddess's blessings in 'Jai Santoshi Maa,' Nirupa Roy played Superman in the 1960 Bollywood film 'Superman,' a character inspired by the DC hero. The film was directed by Mohammed Hussain and Anant Thakur and also starred Jayaraj, Helen, and Tuntun. The late actress was Indian cinema's first female "Superman." Meanwhile, Hollywood's first feature-length Superman film was "Superman and the Mole Men," released in 1951, starring George Reeves. However, the most famous and recognizable film, often considered the first modern superhero blockbuster, is "Superman," released in 1978, starring Christopher Reeve. What was the story? In the Nirupa Roy-starrer, there were no spandex suits or laser-eyed villains. She played Shanti, the adopted daughter of a scientist who created a serum that grants flight and makes humans immortal. Shanti uses the serum to become a superhero and defeat a bandit who was terrorizing people. Today, we often talk about representation and female-led superhero films as if they were a new concept. But long before the term "women empowerment" became a marketing pitch in Bollywood, a woman was "saving the world."

Air ambulance, drip in his arm... Rajesh Khanna's condition was extremely poor on the shoot, R. Balki recounts the entire story.

Rajesh Khanna was as professional and dedicated in his final days as he was in his youth. Filmmaker R. Balki recounted directing Rajesh Khanna's last commercial (Havells Fan). At the time, Rajesh Khanna was very ill, and on an IV drip. Rajesh Khanna was one of the biggest stars of his time. Although his superstardom later declined, did you know that Rajesh Khanna was as hardworking and professional in his final days as he was in his youth? Filmmaker R. Balki has revealed many secrets about this. Balki recalled that even in his final days, Rajesh Khanna was as professional, dedicated, hardworking, and funny as he was at the peak of his career. It's worth noting that R. Balki is the producer who directed the legendary actor's last commercial. What was that Havells ad like? Balki recalled, "It was a beautiful experience. I'll never forget the moment I went up to him. I never called him 'Kaka.' I used to call him 'Sir.'" This ad was released in 2012, after Rajesh Khanna's death. It was a Havells fan ad, in which Rajesh Khanna is seen remembering his fans and explaining that while his true fans may no longer be with him, he still has his Havells fans. Several ceiling and table fans are then seen blowing in the background, while Rajesh, standing in the center, whistles the tune of his famous song "Yeh Shaam Mastani" from Shakti Samanta's 1970 film Kati Patang. Rajesh Khanna used to come in a wheelchair. R. Balki explained in a podcast on the "Mama's Couch" YouTube channel, "Rajesh Khanna was very ill at that time. We were shooting in Bangalore. He was brought in by air ambulance. He had an IV drip in one of his hands. He came to the set in a wheelchair. He would get up, the drip would be removed, and he would be able to shoot for exactly 45 seconds, after which he would have to go back.' Promised to do a film together - R. Balki said that they had less than 7 minutes of footage for the one-minute commercial. He said, 'Rajesh Khanna saw the ad after it was completed. He was happy. He said that we will do a film together. However, he passed away shortly after that. R. Balki said that at that time he became very emotional seeing his favorite actor in so much pain on the set.